वर्ष : 18 अंक :288 | रायपुर | गुरुवार 17 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 8 मूल्य :3 रू.

छत्तीसगढ़, उत्तरप्रदेश , मध्यप्रदेश, नई दिल्ली व राजस्थान से एक साथ प्रकाशित

# सांध्य पहल

छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला हिन्दी दैनिक

आज का तापमान

अधिकतम 24 डिग्री

न्यूनतम 23 डिग्री

## गुवाहाटी में पति की हत्या कर घर में दफनाया शव

लोगों से बोली- केरल गए हैं; थाने पहुंच सरेंडर किया

**गुवाहाटी,एजेंसी।** असम के गुवाहाटी शहर के पांडु इलाके में 38 वर्षीय महिला ने पति की हत्या कर शव को घर के परिसर में ही दफना दिया। उसने झगड़े के दौरान पति को मार डाला था। आरोपी महिला ने जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस के अनुसार कबाड़ व्यापारी सबिआल रहमान को उसकी पत्नी रहीमा खातून ने ही 26 जून की रात को मार डाला था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि महिला ने परिचितों से कहा था कि उसका पति काम के सिलसिले में केरल गया है, लेकिन 12 जुलाई को सबिआल के भाई ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस से संपर्क किया। 13 जुलाई को रहीमा खुद जलुकबाड़ी थाने पहुंची और पुलिस को बताया कि उसने ही पति की हत्या की है। डीसीपी (पश्चिम) पद्मनाभ बरूआ ने बताया कि 26 जून की रात दोनों के बीच झगड़ा हुआ। उस वक्त सबिआल नशे में था। झगड़े के दौरान उसे चोट लगी, जिससे उसकी मौत हो गई। इसके बाद रहीमा ने उसके शव को घर के परिसर में ही दफना दिया। उसके कबूलनामे के बाद जांच में मामला सही पाया गया।

## महाराष्ट्र विधानसभा में लुंगी-बनियान पहनकर पहुंचे विपक्ष के विधायक

**मुंबई,एजेंसी।** महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर बुधवार को एक अनोखा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। महाविकास आघाड़ी (MVA) के विधायकों ने 'लुंगी-बनियान' पहनकर प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन शिवसेना (शिंदे गुट) के विधायक संजय गायकवाड़ द्वारा विधायक हॉस्टल की कैंटीन के कर्मचारी से मारपीट के खिलाफ किया गया।शिवसेना (उद्धव गुट) के विधान परिषद में नेता अंबादास दानवे, एनसीपी (शरद पवार गुट) के विधायक जीतेन्द्र आव्हाड समेत कई विपक्षी नेता इस प्रदर्शन में शामिल हुए। सभी ने अपने पारंपरिक कपड़ों के ऊपर बनियान और तौलिया (लुंगी की तरह) पहनकर 'गुंडा राज' के खिलाफ नारेबाजी की। अंबादास दानवे ने कहा कि जब विधायक कैंटीन में ही मारपीट कर रहे हैं, तो इससे साफ है कि सरकार ऐसे तत्वों को संरक्षण दे रही है। इससे पहले सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी विधायक की आलोचना कर चुके हैं। शिवसेना (शिंदे गुट) विधायक संजय गायकवाड़ ने 8 जुलाई को खाने की क्वालिटी सही नहीं मिलने पर मुंबई के आकाशवाणी विधायक गेस्ट हाउस के कैंटीन स्टाफ के साथ मारपीट की थी।

### संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से

# संसद में भी मतदाता सूची संशोधन पर मचेगा हंगामा, सारकार और विपक्ष के निशाने पर होगा बिहार चुनाव

**नई दिल्ली,एजेंसी।** संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक चलेगा। इस सत्र में वोटर लिस्ट रिवीजन के मामले पर जमकर हंगामा हो सकता है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों अपनी बात को मजबूती के साथ रखने के लिए इस सत्र में संसद के अंदर और बाहर बढ़त बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

कांग्रेस-राजद इस सत्र में पूरी मजबूती के साथ मुसलमान समुदाय के लोगों के वोट काटे जाने का मुद्दा उठा सकते हैं, वहीं भाजपा चुनाव आयोग द्वारा मिल रही जानकारियों के माध्यम से पाकिस्तान-बांग्लादेश और नेपाल के नागरिकों के मतदाता सूची में शामिल होने का मुद्दा उठा सकती है।

केंद्र सरकार में शामिल टीडीपी ने भी मतदाता सूची के स्पेशल रिवीजन पर सवाल खड़ा करके सरकार के सामने नई मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। सरकार इससे कैसे निपटती है, यह देखने वाली बात होगी। ओडिशा में एक छात्रा के यौन उत्पीड़न संबंधी मामले में बीजू जनता दल ने पूरे राज्य में व्यापक बंद और विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया है। इस बंद को जिस तरह आम लोगों का समर्थन मिल रहा है, यह विवाद और गंभीर रूप में सामने आ सकता है। विपक्षी दल इस मुद्दे पर भी संसद में चर्चा कराने की मांग कर सकते हैं।

संसद सत्र में आठ नए विधेयक और कुछ नए प्रस्ताव लाए जा सकते हैं। इसमें

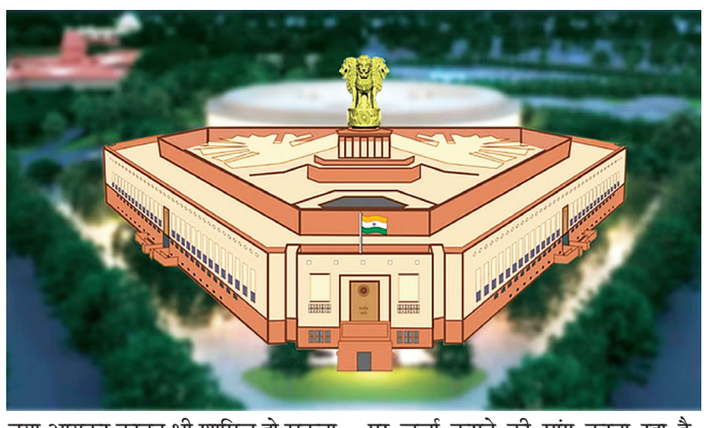

नया आयकर कानून भी शामिल हो सकता है, लेकिन विपक्ष लगातार ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा कराने की मांग करता रहा है, जबकि सत्ता पक्ष इसे राष्ट्रीय सुरक्षा का विषय बताते हुए इससे बचने की कोशिश करता रहा है। ऐसे में इस मुद्दे पर भी दोनों पक्षों के बीट टकराव देखने को मिल सकता है। वक्फ कानून संशोधन, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारत-पाकिस्तान के बीच हुए विवाद का समझौता कराने जैसे मुद्दों पर विपक्ष सरकार को घेरने की कोशिश करेगा। प्रधानमंत्री ने संसद सत्र शुरू होने के पहले 20 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाई है। इसमें अहम मुद्दों पर सर्वानुमति बनाने की कोशिश की जा सकती है। हालांकि, विपक्ष को जिस तरह का अवसर हाथ में लगा है, उसे वह हाथ से जाने नहीं देना चाहेगा।

### पूर्व न्यायाधीश पर भी चर्चा संभव

दिल्ली हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश यशवंत वर्मा के मामले में भी सरकार और विपक्ष के बीच टकराव देखने को मिल सकता है। सरकार वर्मा पर महाभियोग लाने का प्रस्ताव कर सकती है। लेकिन कुछ दलों का इस मुद्दे पर रुख इस मामले को बड़े बहस के विषय में तब्दील कर सकता है। यदि पूर्व जस्टिस वर्मा पर महाभियोग चलाया जाता है और यह पारित होता है तो यह देश के इतिहास में ऐसी पहली घटना होगी।

# दिल्ली के 5 स्कूलों में बम की धमकी

- 3 दिन में 10 स्कूलों और एक कॉलेज को आया धमकी भरा मेल ; जांच में कुछ नहीं मिला

**नई दिल्ली,एजेंसी।** दिल्ली में बुधवार को लगातार तीसरे दिन ईमेल के जरिए स्कूलों को बम की धमकी दी गई है। धमकी मिलते ही सभी स्कूलों को एहतियातन खाली करा लिया गया। पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया और बम स्क्वॉड, डॉग स्क्वॉड और फायर ब्रिगेड की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया गया। फिलहाल अब तक किसी भी स्थान से कोई विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, हालांकि, जांच अभी जारी है। जिन स्कूलों को ईमेल मिला उनमें सेंट थॉमस स्कूल (द्वारका), वसंत वैली स्कूल (वसंत कुंज), मदर्स इंटरनेशनल स्कूल (हौज खास), रिचमंड ग्लोबल स्कूल (पश्चिम विहार) और सरदार पटेल विद्यालय (लोदी एस्टेट) शामिल हैं। इसके अलावा दिल्ली यूनिवर्सिटी के सेंट

### सेंट स्टीफन्स कॉलेज की लाइब्रेरी में बम की धमकी

सेंट स्टीफन्स कॉलेज को मिले मेल में दावा किया गया था कि बम लाइब्रेरी में लगाया गया है। इसके बाद कॉलेज को तुरंत खाली कराया गया और जांच टीमों ने वहां भी तलाशी ली। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं समाज में भय फैलाने के लिए की जाती हैं, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां पूरी मुस्तैदी से काम कर रही हैं।

### ईमेल भेजने वाले का IP ट्रैक कर रही पुलिस

दिल्ली पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम इन सभी घटनाओं को आपस में जोड़कर जांच कर रही है। ईमेल भेजने वाले का IP ट्रैक करने की कोशिश की जा रही है। अफवाह फैलाने और डर का माहौल बनाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्टीफन्स कॉलेज को भी धमकी भरा मेल भेजा गया।

3 दिनों में अब तक 10 स्कूलों और 1 कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। इससे पहले सोमवार को 2 और मंगलवार को 3 स्कूलों को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। जांच करने पर कोई भी विस्फोटक नहीं मिला था।

# संसद सत्र: जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए कानून लाया जाए, पीएम मोदी को खरगे-राहुल का पत्र

**नई दिल्ली,एजेंसी।** लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर सरकार से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का आग्रह किया। उन्होंने लिखा, हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह संसद के आगामी मानसून सत्र में केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए विधेयक लाए। इसके अलावा हम सरकार से अनुरोध करते हैं कि वह केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए भी

विधेयक लाए।

**जम्मू-कश्मीर के लोग पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग कर रहे :** उन्होंने पत्र में लिखा, माननीय प्रधानमंत्री जी, पिछले पांच वर्षों से जम्मू-कश्मीर के लोग पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग कर रहे हैं। यह मांग जायज होने के साथ-साथ उनका संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकार भी है। यह समझना जरूरी है कि जहां अतीत में केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य का दर्जा दिए जाने के उदाहरण रहे हैं, वहीं जम्मू-कश्मीर का मामला आजाद भारत में कुछ अलग ही रहा है। यह पहली बार है, जब किसी पूर्ण राज्य को उसके विभाजन के बाद केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया गया है।

### पीएम मोदी को वादे याद दिलाए

पत्र में आगे लिखा गया, आपने स्वयं कई मौकों पर राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई है। 19 मई 2024 को भुवनेश्वर में दिए अपने साक्षात्कार में आपने कहा था कि राज्य का दर्जा बहाल करना हमारा वादा है। हम इस पर कायम हैं। 19 सितंबर 2024 को श्रीनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए आपने फिर से दोहराया था कि हमने संसद में कहा है कि हम इस क्षेत्र का राज्य का दर्जा बहाल करेंगे। इसके अलावा केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 के मामले में सर्वोच्च न्यायालय के सामने भी इसी तरह का आश्वासन दिया, जिसमें कहा गया कि राज्य का दर्जा जल्द से जल्द बहाल किया जाएगा।

## नितेश राणे बोले-मदरसों में उर्दू की जगह मराठी पढ़ाई जाए :मुसलमानों को अजान भी मराठी में देनी चाहिए

**मुंबई,एजेंसी।** महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने कहा कि मदरसों में उर्दू की जगह मराठी पढ़ाई जानी चाहिए और मुसलमानों को अजान मराठी में देनी चाहिए। राणे ने यह बयान कांग्रेस के मुंबई के कुछ इलाकों में मराठी पाठशालाएं शुरू करने पर पूछे गए सवाल के जवाब में दिया। राणे ने बुधवार को कहा कि, कांग्रेस को मराठी स्कूल चलाने की जरूरत क्यों है? विपक्ष को मुसलमानों से कहना चाहिए कि अजान मराठी में दी जाए। हमारे मंदिरों के बाहर जय श्रीराम के नारे लगते हैं, लेकिन दुकानों के अंदर अब्दुल बैठा है। राणे के इस बयान के बाद विपक्षी दलों ने विरोध जताया है। AIMIM नेता वारिस पठान ने कहा कि बीजेपी नेता धर्म और भाषा के नाम पर नफरत फैला रहे हैं। मुख्यमंत्री को ऐसे नेताओं पर रोक लगानी चाहिए। **कांग्रेस बोली-धर्म और भाषा दो अलग चीजें हैं-** कांग्रेस नेता अमीन पटेल ने कहा कि मदरसों में पहले से ही हिंदी और अंग्रेजी पढ़ाई जाती है, और कुछ संस्थानों में मराठी भी सिखाई जाती है।

### मुख्यमंत्री सिद्धारमैया बोले

# कांग्रेस जाति जनगणना के लिए देशव्यापी अभियान

**बंगलूरू,एजेंसी।** कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि बुधवार को कांग्रेस ओबीसी सलाहकार परिषद की बैठक में जाति जनगणना के लिए देशव्यापी अभियान चलाने का संकल्प लिया गया। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित राष्ट्रीय जातिगत जनगणना तेलंगाना राज्य की जाति सर्वेक्षण को मॉडल बनाकर की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इन प्रस्तावों को बंगलूरू घोषणा का नाम दिया और कहा, यह जनगणना प्रत्येक व्यक्ति और जाति के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षणिक, रोजगार और राजनीतिक पहलुओं को शामिल करते हुए होनी चाहिए।दूसरा

प्रस्ताव 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को समाप्त करने से जुड़ा है, ताकि ओबीसी वर्ग को शिक्षा, सेवा, राजनीति और अन्य क्षेत्रों में समुचित आरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। तीसरे प्रस्ताव में निजी शैक्षणिक संस्थानों में भी ओबीसी के लिए संविधान के अनुच्छेद 15(4) के तहत आरक्षण की मांग की गई। सलाहकार परिषद ने सर्वसम्मति से न्याय योद्धा राहुल गांधी को समाज के वंचित वर्गों के लिए सामाजिक न्याय की आवाज उठाने के लिए धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा, राहुल गांधी की अडिग प्रतिबद्धता ने मनुवादी मोदी सरकार को भारत में जातिगत जनगणना की न्यायपूर्ण और संवैधानिक मांग के आगे झुकने पर मजबूर कर दिया। पूरे देश के पिछड़े वर्गों की ओर से परिषद राहुल गांधी को इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय देती है। केंद्र सरकार के जातिगत सर्वेक्षण के निर्णय को एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए उन्होंने कहा कि यह सामाजिक न्याय की दिशा में केवल एक प्रारंभिक कदम है, जो भारतीय संविधान की भावना के अनुरूप है। सिद्धारमैया ने कहा, न्याय योद्धा राहुल गांधी जी के साहसी और अडिग नेतृत्व में भारत निश्चित रूप से सामाजिक सशक्तिकरण और समानता की दिशा में आगे बढ़ेगा और एक समतामूलक समाज की स्थापना करेगा।

# छात्रा की मौत के बाद बवाल, बीजद का प्रदर्शन ; पुलिस ने किया लाठीचार्ज, हिरासत में लिए गए कई कार्यकर्ता

**भुवनेश्वर/बालासोर,एजेंसी।** बालासोर में यौन उत्पीड़न से परेशान होकर आत्मदाह करने वाली छात्रा की मौत के बाद ओडिशा में बवाल मचा हुआ है। छात्रा की मौत के विरोध में राज्य में जगह-जगह सरकार के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। बुधवार को राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी बीजद ने बालासोर बंद का आह्वान करते हुए जमकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को खदेड़ने के लिए लाठीचार्ज व पानी की बौछार की और आंसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान कई बीजद कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया गया। वहीं पुलिस के साथ हुई झड़प में दो पूर्व मंत्रियों सहित बीजद के कई कार्यकर्ता और नेता घायल हो

गए।बालासोर स्थित फकीर मोहन स्वायत्तशासी महाविद्यालय में प्रोफेसर के यौन उत्पीड़न से क्षुब्ध होकर आत्मदाह करने वाली छात्रा का सोमवार देर रात को निधन हो गया था। छात्रा की मौत के बाद बीजू जनता दल ने सड़क पर उतरकर ओडिशा सरकार के विरोध में बालासोर बंद का आह्वान किया। बीजद कार्यकर्ताओं ने बालासोर में सड़कों पर टायर जलाए। भुवनेश्वर में बीजद कार्यकर्ता जब राज्य सचिवालय लोक सेवा भवन की ओर मार्च लेकर जा रहे थे तो लोअर पीएमजी स्क्वायर के पास बैरिकेड लगे देख उनका आक्रोश बढ़ गया। कार्यकर्ताओं ने बैरिकेड तोड़ दिया और पुलिस कर्मियों के साथ उनकी झड़प हो गई।पुलिस ने कहा कि बीजद कार्यकर्ताओं को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें आंदोलन स्थल से ले जाया गया। घायल लोगों में पूर्व मंत्री प्रणब प्रकाश दास और प्रीति रंजन घराई भी शामिल हैं। पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि घराई को पहले यहां कैपिटल अस्पताल ले जाया गया और बाद में उन्हें भुवनेश्वर के उत्कल अस्पताल के आईसीयू में स्थानांतरित कर दिया गया।

# महाराष्ट्र में महिला ने पुलिस अधिकारियों को हनीट्रैप में फंसाया

## रेप के आरोपों की धमकी देकर 40-40 लाख लूटे ; बड़े सरकारी अफसर निशाने पर थे

**मुंबई,एजेंसी।** महाराष्ट्र के ठाणे में एक महिला पर हनीट्रैप में फंसाकर करोड़ों रुपए ऐंठने का आरोप लगा है। उसने कई पुलिसवालों दूसरे सरकारी कर्मचारियों को अपना शिकार बनाया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, ठाणे के दो बड़े पुलिस अफसर (ACP) ने इस महिला के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि महिला ने उन पर झूठे बलात्कार के आरोप लगाने की धमकी देकर उनसे 40-40 लाख रुपए मांगे थे।जब इस मामले की जांच शुरू हुई, तो पता चला कि यह सिर्फ दो अफसरों का मामला नहीं है, कई और सरकारी अधिकारियों को निशाना बनाया गया है। यह महिला पहले भी 2016 में उगाही के एक मामले में पकड़ी गई थी।

जांच में सामने आया कि आरोपी महिला खुद को एक जरूरतमंद महिला पुलिसकर्मी या होमगार्ड बताती थी। फिर वह इसी बहाने कई IPS अफसरों, एक्साइज के अधिकारियों सहित बड़े सरकारी कर्मचारियों को निशाना बनाती थी। अधिकारियों का कहना है कि अभी कई और मामलों की जांच चल रही है और हो सकता है कि और भी पीड़ित सामने आएं।

**ऐसे फंसाती थी लोगों को अपने जाल में :** यह महिला लोगों को फंसाने के लिए बेहद चालाकी से काम करती थी। वह खुद को एक परेशान पूर्व-पुलिसकर्मी या विधवा बताती थी और लोगों से मदद मांगती थी। फिर वह व्हाट्सएप पर बातें करती, वीडियो कॉल करती और सामने से मिलती ताकि लोगों का विश्वास जीत सके।

इन मुलाकातों के दौरान, वह चुपचाप आपत्तिजनक तस्वीरें और

वीडियो रिकॉर्ड कर लेती थी। कभी-कभी वह मोबाइल की स्क्रीन रिकॉर्डिंग या छोटे कैमरों का इस्तेमाल करती थी। बाद में इन्हीं रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल वह अधिकारियों को धमकाकर पैसे वसूलने के लिए करती थी, ताकि उनकी बदनामी न हो या उन पर कोई कानूनी कार्रवाई न हो।

**बदनामी-नौकरी जाने के डर से अफसर चुप रहते थे :** बाद में जब उसे मोटी रकम मिल जाती थी, तो वह या तो आरोपों को वापस ले लेती थी या समझौता कर लेती थी। कई बार तो बेचारे अफसर समाज में बदनामी और नौकरी जाने के डर से चुप ही रह जाते थे। एक मामले में तो, उसने एक IPS अफसर को मदद के बहाने एक होटल के कमरे में बुलाया।

वहां उसने कथित तौर पर कपड़े उतारे और चुपचाप रिकॉर्डिंग कर ली। बाद में इसी रिकॉर्डिंग से उस अफसर से पैसे वसूले। एक और मामले में, एक बड़े अफसर की पत्नी को महिला को पैसे देने पड़े, ताकि उसके पति पर बलात्कार का केस दर्ज न हो।

**महाराष्ट्र के कई शहरों में फैला है ठगी का नेटवर्क :** सरकारी कागजात बताते हैं कि इस महिला का जाल मुंबई, ठाणे, पुणे और नासिक जैसे बड़े शहरों तक फैला हुआ है। जिन लोगों को उसने शिकार बनाया है, उनमें महाराष्ट्र पुलिस के तीन DCP, कई आबकारी अधिकारी, सीनियर इंस्पेक्टर और असिस्टेंट कमिश्नर भी शामिल हैं। यह महिला 2016 में भी ठाणे में क्राइम ब्रांच अफसर बनकर उगाही करने की कोशिश में पकड़ी गई थी। लेकिन जेल से छूटने के बाद भी उसने नई पहचान और झूठे दावे करके अपने गलत काम जारी रखे। महिला की जमानत अर्जी को निचली अदालत ने खारिज कर दिया था, लेकिन उसे बॉम्बे हाई कोर्ट से कुछ समय के लिए राहत मिल गई है।

# कलेक्टर ने विभिन्न स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं छात्रावास का किया आकस्मिक निरीक्षण

### शिक्षकों-बच्चों की उपस्थिति, पाठ्यपुस्तक-गणवेश वितरण, अध्ययन-अध्यापन के स्तर की जांच की

**गौरेला पेंड्रा मरवाही(ब्यूरो)।** कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने मरवाही विकासखण्ड के विभिन्न स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं छात्रावास का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला लरकेनी, हाईस्कूल लरकेनी, शासकीय प्राथमिक शाला चुवाबहरा, शासकीय प्राथमिक शाला देवराज पारा, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला रटगा, शासकीय प्राथमिक शाला बंशीताल एवं स्वामी आत्मानंद हिन्दी-अंग्रेजी माध्यम हायर सेकण्डरी स्कूल भर्रीडांड़ का निरीक्षण कर शिक्षकों एवं बच्चों की उपस्थिति, पाठ्यपुस्तक एवं गणवेश वितरण, अध्ययन-अध्यापन का स्तर आदि की जांच की। उन्होंने सभी स्कूलों में बच्चों एवं शिक्षकों की उपस्थिति पंजी का अवलोकन कर कुल दर्ज बच्चों की संख्या, कुल पदस्थ शिक्षकों की संख्या तथा उपस्थित बच्चों एवं शिक्षकों की संख्या की जानकारी ली।

कलेक्टर ने माध्यमिक शाला लरकेनी में कक्षा आठवीं में गणित विषय की पढ़ाई कर रहे बच्चों से ब्लैक बोर्ड पर वर्गमूल का सवाल हल कराकर, सातवीं कक्षा में विज्ञान का पढ़ाई कर रहे बच्चों से सौर मण्डल एवं छठवीं कक्षा में संस्कृत का पढ़ाई कर रहे बच्चों से संस्कृत का हिन्दी में अनुवाद कराकर उनके ज्ञान के स्तर की जांच की। उन्होंने प्रधान पाठक को शाला समय से 10 मिनट पहले आने, बच्चों को होमवर्क देने और बच्चों को लगन से पढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने हाईस्कूल लरकेनी में नवमी एवं दसवीं कक्षा के बच्चों से अंग्रेजी में टेन्स के प्रकार, अंग्रेजी शब्द का हिन्दी में अनुवाद एवं विज्ञान विषय से संबंधित प्रश्न पूछकर उनके ज्ञान की परख की।



कलेक्टर ने प्राथमिक शाला चुवाबहरा, देवराज पारा एवं बंशीताल में बच्चों से हिन्दी का किताब पढ़वाकर और जोड़, घटाव, संख्याओं को घटते क्रम में, अंकों को शब्दों में लिखवाकर उनके भाषायी एवं गणितीय ज्ञान की परख की। उन्होंने स्वामी आत्मानंद स्कूल भर्रीडांड़ में बच्चों की कुल दर्ज संख्या, शिक्षकों की संख्या एवं उपस्थिति के संबंध में प्राचार्य से पूछताछ की। उन्होंने 11वीं एवं 12वीं कक्षा में कला और विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों से भूगोल, इतिहास, विज्ञान आदि विषयों से संबंधित सवाल जवाब कर उनके पढ़ाई के स्तर की जांच की। उन्होंने बच्चों को रटकर नहीं बल्कि समझकर पढ़ाई करने कहा। साथ ही प्रधान पाठक और क्लास टीचर को सिलेबस के अनुसार पूरा पाठ्यक्रम पढ़ाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने 50 सीटर प्री-मैट्रिक आदिवासी कन्या छात्रावास भर्रीडांड़ का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधीक्षिका को छात्रावास की व्यवस्था के साथ ही छात्राओं को पढ़ाने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने स्कूलों एवं छात्रावास का निरीक्षण के साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र लरकेनी, आंगनबाड़ी केंद्र चुवाबहरा एवं आंगनबाड़ी केंद्र देवराज पारा का भी निरीक्षण कर बच्चों की उपस्थिति, उनके पोषण का स्तर एवं आंगनबाड़ी में उपलब्ध करायी जाने वाली सुविधाओं एवं गतिविधियों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार मरवाही प्रीति शर्मा एवं जनपद सीईओ विनय सागर भी उपस्थित थे।

## बिना फार्मर आईडी नहीं बिकेगा धान

### किसान 30 अगस्त तक अनिवार्य रूप से कराएं पंजीयन

**गौरेला पेंड्रा मरवाही।** राज्य शासन ने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए समर्थन मूल्य पर धान बिक्री, फसल बीमा और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के लाभ के लिए एग्रीस्टेक पोर्टल में फार्मर आईडी पंजीयन अनिवार्य कर दिया है। बिना फार्मर आइडी के किसान न तो सहकारी समिति में धान बेच सकेंगे और न ही फसल बीमा या पीएम किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं का लाभ उठा पाएंगे। पंजीयन की अंतिम तिथि 30 अगस्त तक है।

एग्रीस्टेक योजना के तहत इस बार किसानों के लिए एक नई व्यवस्था लागू की गई है। अब धान बिक्री बीमा और किसान सम्मान निधि का लाभ पाने के लिए किसानों को एग्रीस्टेक पोर्टल में फार्मर आइडी पंजीकृत कराना अनिवार्य कर दिया है। अगर कोई किसान एग्रीस्टेक पोर्टल में फार्मर आइडी पंजीयन नहीं करवाते हैं तो वे इस बार धान नहीं बेच सकेंगे और न ही उन्हें केंद्र व राज्य की किसी भी योजना का लाभ मिलेगा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीपीएम जिले में 33 हजार 340 किसानों में से केवल 25 हजार 803 किसानों ने फार्मर आइडी पंजीयन कराया है। शेष 7537 किसान ऐसे हैं जिन्होंने अब तक पंजीयन नहीं कराए हैं, वे धान बेचने से वंचित ही नहीं रह जाएंगे, बल्कि पीएम किसान योजना की किस्त और फसल बीमा सुविधा से भी बाहर हो सकते हैं। इसलिए निकटतम लोक सेवा केंद्र (सीएससी), सहकारी समितियों या एग्रीस्टेक पोर्टल पर स्वयं भी किसान अपना पंजीयन कर सकते हैं। पंजीकरण के बाद किसानों को 11 अंकों को यूनिक फार्मर आइडी प्राप्त होगी, जो भविष्य की योजनाओं में उनकी डिजिटल पहचान होगी।

पंजीयन के लिए आवश्यक दस्तावेज-बी-1 खतौनी, ऋण पुस्तिका, आधार कार्ड, आधार लिंक मोबाइल नंबर होना चाहिए। पोर्टल से फार्मर आइडी पंजीयन कराने का लाभ जिसमें योजनाओं में दोहराव की रोकथाम, फसल, भूमि, बीमा और ऋण का डिजिटल रिकार्ड, सरकारी सहायता की पारदर्शिता और प्राकृतिक आपदाओं की पूर्व चेतावनी दी जा सकती है।

## आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 27 जुलाई को, जिले में बनाए गए हैं 21 परीक्षा केंद्र

### परीक्षा केन्द्र में अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी

**गौरेला पेंड्रा मरवाही(ब्यूरो)।** छत्तीसगढ़ व्यवसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) द्वारा आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा 2025 का आयोजन आगामी 27 जुलाई को किया जा रहा है। जिले में 21 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। व्यापम के नियंत्रक द्वारा परीक्षा केन्द्र में अभ्यर्थियों के लिए आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं, जो इस तरह है-

परीक्षार्थी, परीक्षा प्रारंभ होने के कम से कम 2 घंटा पूर्व परीक्षा केन्द्र में पहुंचे ताकि उनका फ्रिस्किंग एवं पहचान पत्र का सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 20 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। उदाहरण के लिए यदि कोई परीक्षा प्रातः 10 बजे से प्रारंभ हो रहा है तो मुख्य द्वारा प्रातः 9.30 बजे बंद कर दिया जाएगा। इसलिए समय का विशेष ध्यान रखें। हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आये। फुटवियर के रूप में चप्पल पहनें। कान में किसी भी प्रकार का आभूषण वर्जित है। परीक्षा प्रारंभ होने के पहले आधा घंटा में एवं परीक्षा समाप्ति के आखिरी आधा घंटा में परीक्षा कक्ष से बाहर जाना वर्जित है। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार का संचार उपकरण, इलेक्ट्रानिक उपकरण, इलेक्ट्रानिक घडी, पर्स, पाऊच, स्कार्फ, बेल्ट, टोपी आदि ले जाना पूर्णतः वर्जित है। प्रवेश पत्र के सभी पेज का प्रिंट आउट ले और पेज के केवल एक तरफ प्रिंट करें, क्योंकि प्रत्येक परीक्षा हेतु व्यापम की प्रति परीक्षा केंद्र में जमा हो जाएगी।

परीक्षार्थी को परीक्षा हेतु प्रवेश पत्र के साथ पहचान पत्र के रूप में मतदाता पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस, पेन कार्ड, आधार कार्ड जिसमें अभ्यर्थी का फोटो हो का एक मूल पहचान पत्र परीक्षा दिवस में परीक्षा केंद्र में लाना अनिवार्य होगा। मूल पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं करने पर परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जायेगा, जिसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होंगे। यदि इंटरनेट से प्राप्त प्रवेश पत्र पर फोटो नहीं आता है, तो अभ्यर्थी अपने साथ दो रंगीन पासपोर्ट साइज फोटो लेकर परीक्षा केंद्र में जावे। परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष में केवल काले या नीले बाल पॉइंट पेन को ही उत्तर अंकित करने हेतु उपयोग में लाये। चयन-प्रवेश के समय प्रवेश पत्र मांगा जाता है, अतः इसे सुरक्षित रखें। व्यापम द्वारा दोबारा प्रवेश पत्र जारी नहीं किया जावेगा। निर्देशों का पालन ना करने पर अभ्यर्थी को परीक्षा देने से वंचित किया जायेगा। परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी तथा अभ्यर्थिता समाप्त कर दी जाएगी।

## कश्यप कुशवाहा काछी समाज ने किया पौधरोपण



**बिलासपुर (ब्यूरो)।** कुशवाहा (काछी) समाज ने मंगलवार को सहदेव कश्यप के डेरी फार्म मंगला में पौधरोपण किया। इसका नेतृत्व समाज के अध्यक्ष सहदेव कश्यप ने किया। राम प्रताप कश्यप, मोहन कश्यप, शिवदयाल कश्यप, शरद कश्यप, आशीष कश्यप, हिमांशु कश्यप, मनीष कश्यप, सौरभ कश्यप, अनुज कश्यप, दीपक कश्यप, निखिल कश्यप और प्रवीण कश्यप ने पौधे लगाए और संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद रमेश पटेल भी शामिल हुए।

## कोरिया जिले में अब तक सामान्य से कम वर्षा, पटना तहसील सबसे आगे

### कलेक्टर ने एसडीएम व तहसीलदारों को जल भराव क्षेत्रों का दौरा करने के दिए निर्देश

**कोरिया(ब्यूरो)।** कोरिया जिले में इस वर्ष 1 जून से 16 जुलाई तक कुल 1788.60 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो जिले की सामान्य औसत वर्षा 1040.9 मिमी के मुकाबले औसतन 150.20 प्रतिशत अधिक है, हालांकि, तहसीलवार आंकड़ों पर गौर करें तो जिले के विभिन्न हिस्सों में वर्षा वितरण असमान रहा है और कई क्षेत्रों में सामान्य से काफी कम वर्षा हुई हैं।

भू-अभिलेख शाखा, बैकुंठपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार, तहसीलवार वर्षा की स्थिति इस प्रकार है-पटना तहसील में अब तक 621.70 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो सामान्य का 58.80 प्रतिशत है। यह जिले में सर्वाधिक प्रतिशत वर्षा वाला क्षेत्र रहा, जबकि विगत वर्ष जून माह में 262 मिमी तथा 1 जुलाई से 16 जुलाई 2024 के बीच 413.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। बैकुंठपुर में 1 जून 2025 से अभी तक 451.20 मिमी वर्षा हुई, जो औसत का 43.36 प्रतिशत है। विगत वर्ष 2024 के जून माह में 71.6 तथा 16 जुलाई 2024 तक 199 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। सोनहत तहसील में 444.80 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई, जो सामान्य का 38.02 प्रतिशत है। जबकि जून 2024 में 104.5 तथा 16 जुलाई 2024 में 227.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी वहीं, पोड़ी-बचरा तहसील क्षेत्र में 1 जून 2025 से अभी तक केवल 270.90 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जो सामान्य का मात्र 30.22 प्रतिशत है और इसे सबसे कम वर्षा वाला क्षेत्र माना गया है, जबकि विगत वर्ष जून माह में 81.5 और 1 जुलाई से 16 जुलाई 2024 के बीच 145.7 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। आज जिले में औसतन 30.65 मिमी वर्षा दर्ज की गई।जिले की वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्रीमती चन्दन त्रिपाठी ने बैकुंठपुर एवं सोनहत एसडीएम सहित सभी तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों का सघन निरीक्षण करने और जल भराव वाले इलाकों, नदी-नालों के पास के संवेदनशील स्थानों का जायजा लेकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

## थ्‍वआरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भर्रीडांड़ का भी कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

**गौरेला पेंड्रा मरवाही(ब्यूरो)।** कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी ने मरवाही जनपद के विभिन्न स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं छात्रावास का निरीक्षण के दौरान आरोग्य मंदिर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भर्रीडांड़ का भी औचक निरीक्षण किया। उन्होंने प्रसव कक्ष में उपलब्ध सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता, दवाईयों की एक्सपाईरी डेट की जांच की। इसके साथ ही पंजीयन, ओपीडी, लैब, ड्रेसिंग कक्ष, इंजेक्शन कक्ष,




दवा वितरण काउंटर आदि का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने एक कक्ष में कबाड़ के रूप में रखे अनुपयोगी कार्टून्स, डिब्बे आदि को डिस्पोज कराकर कक्ष को साफ-सुथरा कराने के निर्देश दिए। उन्होंने दवाईयों के स्टॉक एवं वितरण पंजी को अद्यतन रूप से संधारित करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार मरवाही प्रीति शर्मा एवं जनपद सीईओ विनय सागर भी उपस्थित थे।

## डिजाइनर युवक की लाश मिली

**बिलासपुर(ब्यूरो)।** कोतवाली क्षेत्र के जूना बिलासपुर में दो दिन से गायब युवक की लाश मिली है। इसकी सूचना पर पुलिस ने एसडीआरएफ की सहायता से शव निकलवाकर पीएम के लिए भेज दिया है। पीएम की रिपोर्ट से युवक की मौत का कारण स्पष्ट होगा। कोतवाली थाना प्रभारी विवेक पांडेय ने बताया कि मंगलवार की सुबह कुछ लोगों ने पचरीघाट के पास नदी में एक युवक का शव देखकर पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस की टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई। नदी के बहाव को देखते हुए पुलिस ने इसकी जानकारी एसडीआरएफ को दी।तब एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच गई। युवक की पहचान सीपत क्षेत्र में रहने वाले राजेंद्र उर्फ राजू सूर्यवंशी (26) के रूप में हुई। स्वजन ने बताया कि राजेंद्र पोताई और दीवार पर डिजाइन बनाने का काम करता था। रविवार को वह अपने दोस्त कुश कुमार के साथ निकला था। उसने अपने दोस्त के साथ शराब पी। इसके बाद दोनों अपने घरों की ओर निकल गए। इधर राजेंद्र अपने घर नहीं पहुंचा। इसके बाद स्वजन ने सोमवार को युवक के गायब होने की शिकायत की। इस पर सरकंडा पुलिस ने गुम इंसान कायम कर लिया।इधर मंगलवार की सुबह उसका शव मिला है। पुलिस ने उसके दोस्त से पूछताछ की है। पीएम रिपोर्ट से युवक की मौत का कारण स्पष्ट होने की बात कही जा रही है।

## स्टॉक रखे धान गायब, 54 लाख रुपए का गबन

**बिलासपुर(ब्यूरो)।** धान खरीदी केंद्र में गड़बड़ी और 54 लाख रुपए के गबन के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। रिसदा धान खरीदी केंद्र प्रभारी कृष्ण कुमार करियारे और कम्प्यूटर ऑपरेटर सुखसागर जांगड़े के खिलाफ स्नढ्ढक्र दर्ज कर लिया गया है। जिला सहकारी बैंक के मैनेजर ने मामले में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। दरअसल, खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में जिले के रिसदा धान खरीदी केंद्र से अनियमितता की शिकायत सामने आई थी। ऑनलाइन डेटा के अनुसार केंद्र में कुल 40879.20 क्विंटल धान की खरीदी की गई। लेकिन भौतिक सत्यापन में धान खरीदी केंद्र में बड़ा शॉर्टेज मिला। 1763 क्विंटल धान कम पाया गया। जांच में पता चला कि धान खरीदी केंद्र प्रभारी कृष्ण कुमार करियारे और कंप्यूटर ऑपरेटर सुखसागर जांगड़े ने मिलकर इसमें गड़बड़ी की है और 54.67 लाख रुपए की आर्थिक क्षति पहुंचाते हुए पैसे का गबन कर लिया है।

## पत्नी का कॉल डिटेल- सीडीआर मांगना निजता का हनन

### हाईकोर्ट ने कहा- गोपनीयता संवैधानिक रूप से संरक्षित अधिकार है, पति की याचिका खारिज

**बिलासपुर(ब्यूरो)।** छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने अपने महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि गोपनीयता संवैधानिक रूप से संरक्षित अधिकार है, जो मुख्य रूप से संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की गारंटी से देता है। इस टिप्पणी के साथ ही जस्टिस राकेश मोहन पांडेय ने विवाद होने पर पति के पत्नी की मोबाइल कॉल डिटेल और सीडीआर की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दी है। दरअसल, याचिकाकर्ता दुर्ग जिले के युवक की शादी राजनांदगांव जिले के युवती से 4 जुलाई 2022 को हिंदू रीति-रिवाज के साथ हुई थी। विवाह के कुछ समय बाद ही पति ने डिवोर्स के लिए हिंदू विवाह अधिनियम, 1955 की धारा 13(1)(1) के तहत एक याचिका दायर की। इसमें आरोप लगाया गया कि पत्नी विवाह के 15 दिन बाद अपने माता-पिता के घर गई, जिसके बाद उसका व्यवहार काफी बदल गया। आरोप है कि पत्नी ने याचिकाकर्ता की मां और भाई के साथ दुर्व्यवहार किया। इस बीच सितंबर और अक्टूबर के महीने में पत्नी फिर से अपने माता-पिता के घर गई और जब याचिकाकर्ता ने उससे संपर्क किया, तो उसने उसके साथ जाने से साफ इनकार कर दिया। पत्नी के साथ न जाने पर पति 7 अक्टूबर 2022 को हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 9 के अंतर्गत वैवाहिक अधिकारों की पुनर्स्थापना के लिए फैमिली कोर्ट में केस दाखिल किया।

पति ने पुलिस से मांगी पत्नी का मोबाइल कॉल डिटेल इस दौरान पत्नी ने धारा 125 के तहत एक आवेदन पेश किया। साथ ही पति की मां, पिता और भाई के खिलाफ घरेलू हिंसा के तहत शिकायत की। इस पर पति ने 24 जनवरी 2024 को दुर्ग के एसएसपी को आवेदन देकर पत्नी की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) की डिटेल की मांग की। लेकिन, पुलिस ने कॉल डिटेल देने से इनकार कर दिया। इस पर पति ने कॉल डिटेल के लिए फैमिली कोर्ट में आवेदन दिया, जिसे खारिज कर दी गई। इसके बाद वह हाईकोर्ट पहुंचा।



हाईकोर्ट बोला- यह निजता के अधिकार का उल्लंघन है अपनी याचिका में पति ने पत्नी की चरित्र पर लांछन लगाते हुए मोबाइल पर दूसरे से बातचीत करने के सबूत होने का दावा किया। जिसके लिए उसने कॉल डिटेल की मांग की। लेकिन, फैमिली कोर्ट में दाखिल किए गए केस में पति ने तलाक के लिए लगाई गई अर्जी में उल्लेख ही नहीं किया।

## 2 दिन से लापता पेंटर की मिली लाश्दोस्त के साथ निकला था, शरीर पर जख्मों के निशान, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

**बिलासपुर (ब्यूरो)।** बिलासपुर में 2 दिन से लापता पेंटर की लाश अरपा नदी में मिली है। उसके शरीर पर जख्मों के निशान देखकर परिजन ने हत्या की आशंका जताई है। युवक अपने दोस्त के साथ निकला था, जिसके बाद वो घर नहीं पहुंचा। पुलिस शव का पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र की है। परिजनों के मुताबिक 13 जुलाई को राजू सूर्यवंशी (26) अपने दोस्त कुश कुमार के साथ निकला था। उसने अपने दोस्त के साथ शराब भी पी। जिसके बाद दोनों अपने घरों की ओर निकल गए। लेकिन, राजेंद्र अपने घर नहीं पहुंचा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

**नदी में बहता दिखा शव:** टीआई विवेक पांडेय ने बताया कि 15 जुलाई को कुछ लोगों ने पचरीघाट के पास नदी में एक युवक का शव अरपा नदी में बहते देखा, जिसके बाद लोगों की भीड़ जुट गई। उन्होंने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। खबर मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर युवक की पहचान नहीं हो पाई। बाद में उसकी पहचान सीपत क्षेत्र के राजेंद्र उर्फ राजू सूर्यवंशी (26) के रूप में हुई।



**चिंगराजपारा में रहकर पेंटिंग करता था युवक:** पुलिस की पूछताछ में परिजनों ने बताया कि राजेंद्र पोताई और दीवार पर डिजाइन बनाने का काम करता था। वो चिंगराजपारा में रहता था। परिजनों ने यह भी बताया कि वो दो दिन से लापता था, जिसकी तलाश कर रहे थे, उन्होंने कुश कुमार सहित उसके दोस्तों से जानकारी ली। फिर भी उसका कुछ पता नहीं चला। जिसके बाद उन्होंने सरकंडा थाने में सूचना दी है।

**परिजनों ने जताई हत्या की आशंका:** शव का पंचनामा कार्रवाई के दौरान परिजनों ने उसके शरीर पर जख्मों के निशान देखकर हत्या की आशंका जताई है। दूसरी तरफ पुलिस का कहना है कि मृतक शराब पीने का आदि था। नदी में गिरने से उसे चोंट लगी होगी। फिर भी मामला संदिग्ध है। पुलिस का यह भी कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही युवक के मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

## सड़क हादसे के बाद मारपीट करने वाला मुख्य आरोपित गिरफ्तार, भेजा गया रिमांड पर

**रायगढ़ (ब्यूरो)।** सड़क दुर्घटना के बाद गाली-गलौज और मारपीट की घटना में फरार हुये मुख्य आरोपित प्रकाश पटनायक (33 साल)को तमनार पुलिस ने आज घरघोड़ा क्षेत्र से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दिव्यांग पटेल के निर्देश पर डीएसपी उत्तम प्रताप सिंह के पर्यवेक्षण में की गई। आरोपित को पकड़ने में थाना प्रभारी निरीक्षक कमला पुसाम ठाकुर व उनकी टीम की अहम भूमिका रही। घटना 13 जुलाई 2025 की है, जब लिबरा निवासी प्रार्थी कुमारी सिदार (56 साल ) अपने ससुर का अस्थि विसर्जन करने अपने परिजनों के साथ आर्टिगा कार क्रमांक ष्टत्न 13ञ्ज 9788 से इलाहाबाद गई थी। कार को मिनकेतन सिदार चला रहा था। वापसी के दौरान 13 जुलाई की सुबह करीब 6 बजे जब वाहन डोलेसरा के पास



पहुंचा, तभी सामने से आ रही स्वीफ्ट कार क्रमांक ष्टत्न 13क्त7543 ने तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाते हुए उनकी कार को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद स्वीफ्ट चालक प्रकाश पटनायक ने मौके पर ही ड्राइवर मिनकेतन सिदार के साथ गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दी और मारपीट शुरू कर दी।

## विधानसभा में बिजली टैरिफ बढ़ोतरी पर विपक्ष का हंगामा, स्थगन प्रस्ताव खारिज

**रायपुर(ब्यूरो)।** विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन बिजली टैरिफ में बढ़ोतरी को लेकर सदन में विपक्ष ने जोरदार आवाज उठाई। शून्यकाल में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने इस मुद्दे पर स्थगन प्रस्ताव पेश किया और कहा कि बिजली दरों में वृद्धि से आम जनता बुरी तरह परेशान है। कांग्रेस विधायक उमेश पटेल ने स्मार्ट मीटर का मुद्दा उठाते हुए कहा कि इन मीटरों के कारण लोगों को अत्यधिक बिल आ रहे हैं। उन्होंने मांग की कि इस विषय पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिए। वहीं लखेश्वर बघेल ने बस्तर में ट्रांसफार्मर लगाने में हो रही देरी का मुद्दा उठाया।

सीएम साय का पलटवार- मामूली बढ़ोतरी, जनसुनवाई के बाद हुआ टैरिफ निर्धारण

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि टैरिफ में केवल 1.89त्न की मामूली वृद्धि की गई है, जो व्यापक जनसुनवाई के बाद निर्धारित हुई। उन्होंने कहा, ÷घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सिर्फ 10 से 20 पैसे की ही बढ़ोतरी हुई है। कृषि उपभोक्ताओं के विद्युत पंपों का भुगतान सरकार करती है, ऐसे में किसानों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

## बिलासपुर में बिना हवा-बारिश घंटों बिजली बंद, जनता परेशान

**बिलासपुर (ब्यूरो)।** बिलासपुर में बारिश और आंधी-तूफान नहीं होने के बाद भी बिजली बंद हो रही है। शहर में पिछले एक महीने से बिजली बंद हो रही है, जिसका कोई समय नहीं है। अरपापार इलाके में बिजली विभाग ने अति आवश्यक काम बताकर सब स्टेशन से 4 घंटे बिजली बंद कर दिया। जिसके बाद रात में अचानक बिजली गुल हो गई। जिससे लोग देर रात तक हलाकान रहे। बताया गया कि 11 केवी फीडर में खराबी के चलते ब्रेक डाउन हुआ है। बिजली विभाग के अफसर हाईटेक इंतजामों का दावा करते हैं, लेकिन बारिश में उनके दावे बेअसर साबित हो रहे हैं। हर बार की तरह इस बार भी बारिश के पहले भीषण गर्मी में मेंटनेंस के बहाने दिन में घंटों बिजली कटौती की गई। जिसके बाद अफसरों ने दावा किया कि, बारिश में बिजली गुल नहीं होगी। लेकिन, हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। हल्की बारिश और हवा चलने पर बिजली बंद हो रही है।

**बिना हवा-बारिश के बिजली गुल:** मंगलवार को बिजली विभाग ने सूचना जारी की और बताया कि सरकंडा इलाके में अति आवश्यक काम के चलते सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे तक बिजली बंद रहेगी। जिसके बाद करीब 3.30 बजे के बाद बिजली आई। दिन में अति आवश्यक काम किया गया। इसके बाद भी रात में ब्रेक डाउन हो गया और 11 बजे से बिजली बंद हो गई। सब इंजीनियर संतोष देवांगन ने बताया कि, बंधवापारा फीडर में 11 केवी ब्रेक डाउन हो गया है। कर्मचारी फाल्ट खोज रहे हैं।

लेकिन रात दो बजे तक सुधार कार्य नहीं हो सका। इसके चलते उमस भरी गर्मी में लोग हलाकान होते रहे।

**फोन तक नहीं उठाते अफसर:** बिजली बंद होने का कोई समय नहीं है। कभी सुबह तो कभी दोपहर और रात में अचानक बिजली बंद हो जाती है। कभी पांच मिनट में बिजली चालू किया जाता है तो कभी फाल्ट खोजने में ही आधा से एक घंटा लग जाता है।

# मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 'भारत मार्ट' को बताया वैश्विक व्यापार का प्रवेशद्वार डीपी वर्ल्ड और जाफजा अधिकारियों से महत्वपूर्ण बैठक

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई यात्रा के तीसरे दिन डीपी वर्ल्ड और जेबेल अली फ्री ज़ोन के वरिष्ठ अधिकारियों से भेंट कर 'भारत मार्ट' परियोजना और उससे जुड़ी लॉजिस्टिक्स संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। यह बैठक भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को वैश्विक बाज़ार से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत मार्ट को वैश्विक व्यापार का प्रवेशद्वार बताते हुए कहा कि यह आधुनिक व्यापार केंद्र भारतीय उत्पादों, विशेष रूप से खाद्य प्रसंस्करण, कृषि और हस्तशिल्प जैसे उत्पादों की मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरोप जैसे बाजारों तक सीधी पहुँच उपलब्ध कराएगा। भारत मार्ट 2026 में परिचालन में आएगा और 'लोकल से ग्लोबल' की नीति को नई दिशा देगा।

**भारत मार्ट भारत और यूएई के बीच व्यापारिक संबंधों का प्रतीक :** भारत मार्ट, जेबेल अली फ्री ज़ोन ,दुबई में लगभग 2.7 मिलियन वर्ग फुट में विकसित किया जा रहा एक बहुआयामी अंतरराष्ट्रीय व्यापार केंद्र है। इसकी आधारशिला प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम द्वारा फरवरी 2024 में संयुक्त रूप से रखी गई थी। यह केंद्र डीपी वर्ल्ड द्वारा संचालित किया जा रहा है और इसमें 1500 से अधिक शोरूम, अत्याधुनिक गोदाम और कार्यालय सुविधाएं शामिल होंगी।

यह परियोजना भारतीय एमएसएमई को वैश्विक मंच प्रदान करने के लिए तैयार की जा रही है, जिससे वे अपनी गुणवत्ता युक्त वस्तुओं का निर्यात आसानी से कर सकें। भारत मार्ट, वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी को बढ़ाने वाला एक मजबूत स्तंभ बनेगा।

**मध्यप्रदेश से भारत मार्ट तक निर्बाध लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी :** बैठक में विशेष रूप से मध्यप्रदेश में डीपी वर्ल्ड द्वारा प्रस्तावित रेल टर्मिनल और उज्जैन-नागदा रूट को भारत मार्ट तक निर्बाध माल आपूर्ति का एक निर्णायक माध्यम बताया गया। यह लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी भारत से दुबई तक तेज़, किफायती और सुगम माल परिवहन सुनिश्चित करेगी, जिससे राज्य के निर्यातकों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, हमारी सरकार इस यात्रा को केवल व्यापार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के आर्थिक भविष्य की नींव मान रही है। भारत मार्ट के ज़रिये हमारा प्रदेश वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक मज़बूत कड़ी बनेगा।सांसद का दोबारा बयान आया, उसमें भी वे माफी मांगने की बजाय अपने बयान पर कायम रहने की बात कर रहे हैं। सांसद को उस बहन से माफी मांगनी चाहिए। यदि वे माफी नहीं मांगते हैं, तो भाजपा को अपने सांसद पर कार्यवाही करनी चाहिए। उमा भारती को सम्मेलन में नहीं बुलाया डॉ. यादव ने भोपाल में आयोजित महिला सशक्तिकरण सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती को नहीं बुलाने पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि उमा भारती पिछड़े वर्ग से आती हैं। उनको सम्मेलन में नहीं बुलाया जाता, तवज्जो नहीं दी जाती है। क्या यही भाजपा की ट्रेनिंग है। पार्टी के मंत्री और नेता पहले भी महिलाओं के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणियां कर चुके हैं।

**डीपी वर्ल्ड- भारत और मध्यप्रदेश के लिए संभावनाओं से भरा साझेदार :** डीपी वर्ल्ड, दुबई स्थित एक अग्रणी वैश्विक लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला समाधान प्रदाता है, जो 78 से अधिक देशों में 100 से अधिक टर्मिनलों और पोर्ट्स का संचालन करता है। प्रति वर्ष 70 मिलियन टीईयू कंटेनर हैंडल करने वाली यह कंपनी विश्व की सबसे बड़ी पोर्ट ऑपरेटरों में गिनी जाती है।

**भारत में संचालन :** डीपी वर्ल्ड भारत के मुंबई, मुंद्रा, कोचीन, चेन्नई और विशाखापत्तनम जैसे प्रमुख बंदरगाहों पर छह टर्मिनलों का संचालन करती है। साथ ही यह कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स, कंटेनर फ्रेट स्टेशन और एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट सेवाओं का भी प्रबंधन करती है।भ्रष्टाचार हुआ है, जिसकी जानकारी मुझे मिली। उससे घबराकर कार्यालय बंद कर अधिकारियों के संज्ञान में आई तो फिर उन्होंने यह कक्ष खुलवाया।

**म.प्र. में ड्राय पोर्ट के विकास में दिखाई रूचि :** डीपी वर्ल्ड ने मध्यप्रदेश में इनलैंड कंटेनर डिपो ,मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क ,कृषि-लॉजिस्टिक्स हब और ड्राय पोर्ट के विकास में गहरी रुचि दिखाई है। यह राज्य की लॉजिस्टिक्स और निर्यात नीति के अनुरूप है, और सार्वजनिक-निजी भागीदारी के माध्यम से दीर्घकालिक अधोसंरचना विकास को मजबूती देने वाला कदम है।

## उच्च शिक्षा मंत्री परमार ने, उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए

**भोपाल।** उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय में, उच्च शिक्षा विभाग के विभिन्न विभागीय विषयों एवं गतिविधियों की समीक्षा की। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय में लंबित विभिन्न प्रकरणों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के निलंबन से संबंधित गंभीर एवं अनावश्यक रूप से लंबित विभागीय प्रकरणों को, सामान्य प्रशासन के नियमानुरूप समय पर निराकृत करने के निर्देश भी दिए। श्री परमार ने जनभागीदारी समिति के नियमों का पुनर्वलोकन कर, वर्तमान परिदृश्य अनुरूप समसामयिक बनाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा।

मंत्री श्री परमार ने सार्थक ऐप पर अनुचित रूप से फर्जी उपस्थिति दर्ज करने वाले प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अधिकारी, कर्मचारी और अतिथि विद्वानों पर कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। श्री परमार ने क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक कार्यालयों के सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन करने को कहा। श्री परमार ने उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने की दृष्टि से, महाविद्यालयों में एकल संकाय को बहुसंकाय में उन्नयन करने की कार्यवाही को यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा श्री अनुपम राजन एवं आयुक्त उच्च शिक्षा श्री प्रबल सिपाहा सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

## भोपाल में स्कूल बैग का वजन तौलने पहुंचे कांग्रेसी कहा- मापदंडों से अधिक वजन के बैग ढो रहे, जागरूकता अभियान कागजों पर

**भोपाल ।** भोपाल में मंगलवार को कांग्रेस नेताओं ने स्कूल पहुंचकर बच्चों के बैग का वजन चेक किया। उन्होंने तौल कांटे पर बैग रखकर देखा। जिसमें पाया कि बच्चों के बैग निर्धारित मापदंडों से अधिक है।

एमपी कांग्रेस के प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी, अभिनव बरोलिया, कुंदन पंजाबी और विक्रम चौधरी ने आरोप लगाया कि 16 जून से प्रदेश में स्कूल बैग के वजन को लेकर स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शुरू किया जाने वाला जागरूकता अभियान एक माह बीत जाने के बाद भी केवल कागजों और आदेशों में ही चल रहा है।

उन्होंने कहा कि जमीनी हकीकत में इस पर कोई अमल नहीं हो रहा है। शिक्षा माफियाओं ने कमीशन के लालच में न सिर्फ निजी स्कूलों को, बल्कि शासकीय स्कूलों, जिनमें सीएम राइज स्कूल भी शामिल हैं, को निशाना बनाया हुआ है।

**डीईओ कार्यालय से 500 मीटर दूर किया प्रदर्शन :** विवेक त्रिपाठी ने बताया कि जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से महज 500 मीटर की दूरी पर शासकीय पीएमश्री स्कूल और निजी स्कूल के छात्र भी शासन के निर्धारित मापदंडों से कई गुना अधिक वजन के स्कूल बैग ढोने को मजबूर हैं।

छोटे बच्चों के नाजुक कंधों पर अत्यधिक वजन लादने की वजह से कई बच्चे पढ़ाई और खेलकूद की उम्र में ही डॉक्टर और अस्पताल के चक्कर लगाने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने भाजपा सरकार, प्रशासन और बाल आयोग पर इस गंभीर विषय पर 'मूक दर्शक' बने रहने का आरोप लगाया।

विवेक त्रिपाठी ने सीधे तौर पर आरोप लगाया कि शिक्षा माफिया अनावश्यक किताबों की खरीद में कमीशनखोरी के लालच में छात्रों के जीवन और स्वास्थ्य के साथ खुला खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शासकीय स्कूलों में मुफ्त मिलने वाली किताबों के वितरण में भी नियमों का उल्लंघन चिंताजनक है।

## भोपाल स्टेशन को मेट्रो स्टेशन से जोड़ने का प्लान सब-वे या फुटओवर ब्रिज बनेगा, सीधे एक दूसरे से कनेक्ट हो सकेंगे

**भोपाल।** भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के बाद भोपाल स्टेशन को भी मेट्रो स्टेशन से जोड़ने का प्लान है। यहां सब-वे या फुटओवर ब्रिज बनेगा। ताकि, मेट्रो और रेलवे स्टेशन एक-दूसरे से कनेक्ट हो सके।

मेट्रो अफसरों के मुताबिक, भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर-6 के पास मेट्रो का अंडरग्राउंड स्टेशन बनेगा। इसकी तैयारियां भी चल रही हैं। जब यात्री मेट्रो से रेलवे स्टेशन आएंगे-जाएंगे तो उन्हें फुटओवर ब्रिज या सब-वे की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में उन्हें काफी लंबा चलना नहीं पड़ेगा।

**2 प्लान पर काम :** रेलवे और मेट्रो स्टेशन को एक-दूसरे से कनेक्ट करने के लिए मेट्रो कॉरपोरेशन दो प्लान पर काम कर रहा है। यदि सिर्फ 6 नंबर प्लेटफार्म से मेट्रो स्टेशन को जोड़ना पड़ा तो यहां फुटओवर ब्रिज ही बनाया जाएगा। यात्री ट्रैक के ऊपर से गुजरते हुए मेट्रो स्टेशन तक पहुंच सकेंगे, लेकिन यदि प्लेटफार्म नंबर-6 के साथ 1 को भी मेट्रो स्टेशन से जोड़ने की प्लानिंग बनी तो फिर सब-वे बनाया जाएगा, जो अंडरग्राउंड रहेगा।

**जाम से भी मिलेगी राहत :** फुटओवर ब्रिज या सब-वे बनने के बाद यात्रियों को पैदल घूमकर नहीं आना पड़ेगा। साथ ही उन्हें जाम से भी राहत मिलेगी।

**आरकेएमपी को जोड़ा है स्काई वॉक से :** मेट्रो से रानी कमलापति और भोपाल रेलवे स्टेशन को जोड़ा जाएगा। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन का काम चल रहा है। यहां 70 मीटर लंबा स्काई वॉक रखा गया है, जो दोनों स्टेशनों को कनेक्ट कर रहा है। इससे यात्रियों को बिना किसी परेशानी से एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन तक पहुंचने में आसानी होगी।

ऐसा ही उपयोग भोपाल रेलवे स्टेशन पर भी हो रहा है। हालांकि, यह काम मौजूदा प्रोजेक्ट में शामिल नहीं है। इसलिए अलग से प्रोजेक्ट बनाया जा रहा है। इसलिए सब-वे और फुटओवर ब्रिज पर चर्चा की जा रही है।

## ग्वालियर, शाजापुर में बारिश, रायसेन में सड़कों पर भरा पानी प्रदेश में नदियां उफनीं, बाढ़ के हालात

**भोपाल।** मध्यप्रदेश में 16 जून को मानसून की एंट्री के बाद अब तक प्रदेश में 18 इंच बारिश हो चुकी है। कई जिलों में बाढ़ के हालात है। मंगलवार को दोपहर के बाद ग्वालियर, शाजापुर समेत 9 जिलों में तेज पानी गिरा। रायसेन में 20 मिनट की बारिश में सड़कों पर पानी भर गया। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के 30 से ज्यादा जिलों में बारिश की अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में अब तक कोटे की आधी बारिश हो चुकी है। निवाड़ी में तो 103त्न तक पानी गिर चुका है। मंडला, टीकमगढ़ में भी बारिश का कोटा 75त्न तक फुल हो गया है। अगले 4 दिन यानी 18 जुलाई तक तेज बारिश का दौर चलेगा।

**इन जिलों में बारिश का अलर्ट :** मौसम विभाग के अनुसार बालाघाट, सिवनी, मंडला, डिंडौरी, सिंगरौली और सीधी में भारी बारिश का दौर जारी है। वहीं, अगले कुछ घंटों में बैतूल, सतना, रीवा, मऊगंज, सागर, दमोह, छतरपुर, देवास, शिवपुरी, भिंड, उमरिया, राजगढ़, पांढुर्णा में मध्यम और भोपाल, पन्ना में हल्की बारिश होने की संभावना है।

इसी तरह टीकमगढ़, निवाड़ी, अनूपपुर, शहडोल, ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, दतिया, कटनी, मैहर, इंदौर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, धार, मंदसौर, उज्जैन, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, जबलपुर, सीहोर, शाजापुर और बुरहानपुर में भी हल्की बारिश हो सकती है।

## कॉलेज छात्राओं से दोस्त के घर में रेप किया था भोपाल में अश्लील वीडियो बनाए, धर्म बदलने का दबाव डाला,

**भोपाल ।** कॉलेज छात्राओं से दुष्कर्म कर वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करने वाले मामले में जहांगीराबाद थाना पुलिस ने जिला न्यायालय में चालान पेश किया है। पुलिस ने फरहान खान, साहिल खान, सैयद अली अहमद, साद उर्फ शम्सउद्दीन, मोहम्मद नबील और अबरार को आरोपी बनाया है। सभी आरोपी जेल में बंद हैं।

जहांगीराबाद थाने के जांच अधिकारी ने पीड़िताओं और उनके परिजन के दर्ज बयान, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), वीडियो फुटेज और फोटोग्राफ साक्ष्य के तौर पर न्यायालय में पेश किए गए हैं। आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत में पेश किया गया।

**रेप के बाद वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया :** जहांगीराबाद पुलिस ने चालान में कोर्ट को बताया कि पीड़िता को लेकर आरोपी फरहान दोस्त के घर गया था। उसके दोस्त के घर पहले से ही कुछ और दोस्त मौजूद थे। पीड़िता को अलग कमरे में ले जाकर रेप किया। रेप के बाद जबरदस्ती वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करते हुए इस्लाम धर्म अपनाने का दबाव बनाया। हालांकि, मामले में पुलिस ने सभी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और सभी आरोपी सलाखों के पीछे हैं। पुलिस अलग-अलग एंगल से मामले की जांच कर रही है। जांच में भी पीड़िता के साथ ब्लैकमेलिंग और मुस्लिम धर्म अपनाने को लेकर दबाव बनाने की बात भी सामने आ रही है।

**तीन लड़कियों से एक साथ रेप किया :** इससे पहले पुलिस जांच के दौरान मुख्य आरोपी फरहान के मोबाइल में एक वीडियो ऐसा मिला था, जिसमें वह एक साथ तीन लड़कियों के साथ रेप कर रहा है। उन्हें बेरहमी से पीट रहा है। एक अन्य वीडियो में आरोपी इंदौर की पीड़िता से रेप करने के साथ ही उसे सिगरेट से दाग रहा है। आरोपी लड़कियों के साथ क्रूरता करता था। उन्हें मारता-पीटता था। वीडियो भी बनाता था और अपने मोबाइल फोन में सेव कर लेता था। पीड़िताओं के वीडियो आरोपी ने एक अलग फोल्डर में सेव कर रखे थे।

## सपा प्रदेशाध्यक्ष बोले-सरकारी खर्च के बिल पोर्टल पर डिस्प्ले हों शहडोल में ड्रायफ्रूट और पेंट घोटाले के बाद सरकारी सिस्टम में पारदर्शिता जरूरी

**भोपाल ।** समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने मप्र के सरकारी विभागों में होने वाले खर्च के पूरे बिल-वाउचर संबंधित विभाग के पोर्टल पर (पब्लिक डोमेन में) डिस्प्ले करने की मांग की है। भोपाल में सपा के प्रदेश कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर डॉ. यादव ने कहा- शहडोल में ड्रायफ्रूट घोटाला और सीधी में पेंट घोटाला सामने आने के बाद ये जरूरी हो गया है कि जहां सरकारी पैसा खर्च हो उसके व्यय से संबंधित पूरे दस्तावेज पब्लिक डोमेन में रहें। डॉ. यादव ने कहा कि शहडोल जिले में ऐसे मामले सामने आए, जिसमें चार लीटर पेंट को पोतने के लिए 150 से ज्यादा लेबर लगाई गई। अधिकारी अगर जाते हैं तो उनके लिए 14 किलो ड्राई फ्रूट का बिल लगाया जाता है। इससे समझ में आता है कि सरकारी पैसे का किस तरह से बंदर बांट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चाहे नेता हो या अधिकारी। किसी भी दौरे पर जाएं तो उनके स्वागत में जो पैसा खर्च हो रहा है उसकी जानकारी पब्लिक डोमेन में आनी चाहिए। सरकारी विभागों में हो रहे खर्च का लेखा-जोखा भी आना चाहिए।

**सांसद पर एक्शन ले बीजेपी :** डॉ. यादव ने कहा कि भाजपा महिला सशक्तिकरण की बात करती है। सशक्त महिलाओं के सम्मान की बात करती है। मोदी जी भोपाल में आकर महिला सशक्तिकरण सम्मेलन करते हैं, लेकिन यदि कोई महिला आवाज उठाती है तो उस आवाज को दबाया जाता है। भाजपा के सांसद हमारी गर्भवती बहन के बारे में कहते हैं कि आपको उठवा लिए जाएगा। उनको धमकी दी जाती है कि अगर रोड ठीक नहीं है तो भी आपने त्र और चेहरा है।

## सभी विद्युत कंपनियों में अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना स्वीकृत : ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

**भोपाल ।** ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि प्रदेश के सभी 6 विद्युत कंपनियों में अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना स्वीकृत कर दी गई है। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी ने प्रदेश की समस्त विद्युत कंपनियों में कार्यरत अभियंता व कार्मिकों के लिए बहुप्रतीक्षि?त पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना (एमपीपीसीएचएस) के क्रि?यान्वयन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है।

**लगभग एक लाख 82 हजार होंगे लाभार्थी :** मंत्री श्री तोमर ने बताया है कि इस योजना का लाभ प्रदेश की 6 विद्युत कंपनियों में कार्यरत नियमित कार्मिकों, संविदा कार्मिकों व विद्युत कंपनियों के पेंशनरों और उनके परिजन को मिलेगा। इनकी संख्या लगभग एक लाख 82 हजार है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी को प्रदेश की विद्युत कंपनियों में पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना लागू करने की जिम्मेदारी दी गई है।

**कार्यान्वयन सहायता एजेंसी के लिये ई-टेंडर जारी :** मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के प्रबंध संचालक मनजीत सिंह ने जानकारी दी कि पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना के कार्यान्वयन के लिये 15 जुलाई को ई-टेंडर जारी कर दिया गया है। इस योजना के कार्यान्वयन सहायता एजेंसी (आईएसए) चयन के लिये भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) द्वारा लाइसेंस प्राप्त किसी मौजूदा तृतीय पक्ष प्रशासक (टीपीए) या उसकी होल्डिंग कंपनी या उसकी सहायक कंपनी या उसकी समूह कंपनी, जिन्हें इस क्षेत्र में कार्य करने का वृहद् अनुभव हो, से टेंडर आमंत्रि?त किए गए हैं। पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना के लिए प्री-बिड मीटिंग 24 जुलाई को होगी। विद्युत कंपनियों के लिए पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना के क्रि?यान्वयन करने को इच्छुक कंपनियां 18 अगस्त तक टेंडर प्रक्रि?या में अपनी निविदा जमा कर सकेंगी।

## पचमढ़ी की 395.93 हेक्टेयर जमीन अब तक डिनोटिफाई नहीं कैबिनेट ने दो माह पहले दी थी मंजूरी, दोबारा कैबिनेट की लेनी पड़ेगी मंजूरी

**भोपाल।** कैबिनेट के फैसले के दो माह बाद भी पचमढ़ी की 395.93 हेक्टेयर जमीन फॉरेस्ट से रेवेन्यू (नजूल) घोषित करने का आदेश जारी नहीं हो सका है। इसकी वजह डिनोटिफाई की जाने वाली जमीन के खसरा नंबर एंट्री किए जाने में हुई चूक को बताया जा रहा है। ऐसे में अब अगली कैबिनेट में एक बार फिर इस प्रस्ताव को लाए जाने की तैयारी है ताकि सही खसरे नंबर्स की एंट्री किए जाने के बाद उसे कैबिनेट बैठक में मंजूरी दी जा सके।

वन विभाग के अधीन पचमढ़ी की इस भूमि को डिनोटिफाई करने के लिए मोहन यादव सरकार ने 5 मई की कैबिनेट बैठक में फैसला किया था। इसके बाद यह भी तय हुआ था कि पचमढ़ी अभयारण्य का नोटिफिकेशन फिर से होगा।

**अभी अभ्यारण के कारण अनुमति नहीं दे पा रही सरकार :** दरअसल, मोहन सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद यह फैसला लिया था। एमपी सरकार ने वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 18 (1) के अंतर्गत एक जून 1977 को पचमढ़ी अभयारण्य को अधिसूचित किया था।

इस दौरान अभयारण्य में शामिल किए गए और बाहर किए जाने वाले क्षेत्र को सीमांकित नहीं किया गया था। इसके चलते यहां कोई गतिविधि सरकार खुद भी नहीं कर पा रही है। इस मामले में सरकार के पक्ष में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद यहां की 395.93 हेक्टेयर जमीन को नजूल भूमि घोषित करने का फैसला किया गया। इसके बाद यह भूमि विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के स्वामित्व में आ जाएगी और यहां विकास कार्यों में तेजी लाने व जमीन की खरीदी-बिक्री का काम किया जा सकेगा। अभी अभयारण्य होने के कारण यहां कोई व्यवसायिक गतिविधियां चलाने की अनुमति सरकार नहीं दे पा रही है। पचमढ़ी में राजा भभूत सिंह की स्मृति एवं जनजातीय समाज के कल्याण को समर्पित कैबिनेट बैठक की गई।

**फैसले के बाद यह पेंच सामने आया:** बताया जाता है कि कैबिनेट बैठक के बाद वन विभाग की ओर से इसका नोटिफिकेशन जारी होना था लेकिन कैबिनेट के फैसले के बाद यह बात सामने आई कि डिनोटिफाई किए जाने वाले खसरों और रकबे के नंबर एंट्री करने में गड़बड़ हो गई है। इसके चलते नोटिफिकेशन की कार्यवाही रोक दी गई। अब जबकि नर्मदापुरम कलेक्टर ने इसे करेक्ट करा दिया है तो कहा जा रहा है कि अब इसे फिर कैबिनेट में लाकर मंजूरी दी जाएगी। इसके बाद इसका राजपत्र में प्रकाशन होगा।

## प्रदेश के 183 नगरीय निकायों में 218 पिंक टॉयलेट स्वच्छ भारत मिशन में 100 करोड़ रूपये निवेश की योजना

**भोपाल।** प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर महिलाओं को सार्वजनिक शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मिशन पिंक टॉयलेट प्रारंभ किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 183 नगरीय निकायों में 218 पिंक शौचालय संचालित हो रहे हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने इस मिशन में 100 करोड़ रूपये के निवेश की कार्ययोजना तैयार की है। मिशन के माध्यम से प्रदेश के सभी निकायों में मिशन पिंक टॉयलेट तैयार किये जायेंगे। उन्होंने आगे बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद ही कार्यालय खोला गया। जब मैंने स्थिति की जानकारी ली, तो पता चला कि नवनीत कोठारी और आर. उमा माहेश्वरी ने गंभीर अनियमितताएं की हैं।

## संपादकीय

# समोसे, जलेबी से सावधान

हम भारतीय करीब 7 करोड़ समोसे हर रोज खा जाते हैं। अनुमान यह भी है कि हम 2163 करोड़ समोसे सालाना खाते हैं। एक औसत समोसे में 262 कैलोरी होती हैं। यदि समोसे का आकार बड़ा हो, तो कैलोरी 400 से भी अधिक हो सकती हैं। भारत में समोसे का बाजार 25,000 करोड़ रुपए का बताया जाता है। इससे भी बड़ा बाजार 'मोमोज' का है, जो करीब 30,000 करोड़ रुपए का बताया जाता है। यकीन नहीं होता, बल्कि आश्चर्य होता है, लेकिन ये बाजार मौजूद हैं। इतना बड़ा बाजार, लोगों के असीमित खर्च, लेकिन हम एक 'खामोश मौत' की तरफ बढ़ रहे हैं। समोसे, कचौड़ी, पकौड़े जिस तेल में बार-बार तले जाते हैं, वह तेल विषाक्त हो जाता है। मानवीय सेहत के लिए 'जानलेवा' भी साबित होता रहा है। सामान्यत- कचौड़ी में 10 ग्राम, 10 पकौड़ों में 14 ग्राम, एक बर्गर में 31 ग्राम, 4 स्लाइस पिज्जा में 40 ग्राम वसा होती है। हम लगातार यह वसा (फैट) अपने शरीर में जमा करते जा रहे हैं। यदि आप चाहते हैं कि हर रोज 45 मिनट सैर कर लें, तो भी यह वसा एक निश्चित मात्रा में शरीर में रहती है। नतीजतन कैंसर, दिल का दौरा, खराब कोलेस्ट्रॉल, उच्च रक्तचाप, टाइप टू मधुमेह आदि बीमारियां तो सर्वज्ञात हैं। उनके अलावा, अन्य विसंगतियां हमारे भीतर पल रही हैं, उनकी जानकारी तब सामने आती है, जब मौत हो जाती है। हम भारतीय जलेबी, लड्डू, बर्फी या अन्य मिष्ठान्न का खूब उपभोग करते हैं। हमारे समारोह मीठे से ही संपन्न होते हैं, हमारा नाश्ता भी मिठाई ही है, क्योंकि यह स्वाद हमारे संस्कारों में बसा है। औसतन 100 ग्राम जलेबी में 40 कैलोरी होती हैं। गुलाब जामुन में 32 ग्राम, सॉफ्ट ड्रिंक में 32 ग्राम, चॉकलेट में 25 ग्राम चीनी होती है। हमें एक दिन में अधिकतम 25 ग्राम चीनी का सेवन करना चाहिए। यह सीमा तो हर रोज लांघी जा रही है। अब कमोबेश तेल और चीनी के सेवन के मद्देनजर भारत सरकार चिंतित हुई है। कुछ समय पहले प्रधानमंत्री मोदी ने भी बढ़ते मोटापे पर अपनी चिंता और अपना सरोकार जताया था और 10 फीसदी तेल का सेवन कम करने का आह्वान किया था, ताकि देश फिट रह सके। अब इससे भी आगे की 'चेतावनी' देने की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों, विभागों और स्वायत्त निकायों को कहा है कि वे समोसा, कचौड़ी, फ्रेंच फ्राइज, जलेबी, बर्फी और वड़ा पाव समेत अन्य खाद्य सामग्री में तेल और चीनी की मात्रा का उल्लेख करते हुए बोर्ड अपने दफ्तरों और कैंटीन में लगवाएं। सार्वजनिक स्थानों पर भी ऐसे बोर्ड लगाए जाएं, ताकि स्वस्थ जीवन-शैली को बढ़ावा दिया जा सके और मोटापे तथा गैर-संचारी रोगों से निपटा जा सके। गौरतलब यह है कि सरकार समोसे और जलेबी पर किसी भी तरह की पाबंदी थोपने नहीं जा रही है। यह जागृति का अभियान है, जिसके साथ 'चेतावनी' भी जुड़ी है। यह चेतावनी भी सिगरेट और शराब के साथ जुड़ी चेतावनी जैसी ही होगी। सिगरेट और शराब का कारोबार तथा उपभोग 'चेतावनी' के बावजूद कम नहीं हुए हैं। बल्कि शराब तो सरकार के राजस्व का सबसे पुख्ता जरिया है। समोसे और जलेबी अपेक्षाकृत सस्ते और हर जगह उपलब्ध व्यंजन हैं। सभी पीढ़ियों के लोग बड़े चाव से खाते हैं। चेतावनी के बाद वह वर्ग थोड़ा-सा चिंतित हो सकता है, जो बीमारियों की जकडऩ में है, लिहाजा कुछ परहेज सामने आ सकता है। अलबत्ता ये कारोबार 10 फीसदी भी कम हो जाएं, तो सरकार अपने अभियान की पीठ थपथपा सकती है।

# पारिवारिक तनाव का समाधान कैसे हो?

**जब हम टीवी देखते हैं, तो काफी हद तक दिमाग टीवी में उलझ जाता है और अपनी व्यक्तिगत बातों से हट जाता है, और सबसे बढ़ कर यह कि इस बात पर विश्वास होना चाहिए कि कोई भी टेंशन जीवन से बढ़ कर नहीं, टेंशन आनी-जानी है, यह जीवन का हिस्सा है। इसे खुद पर सवार नहीं करना चाहिए। इनसान से शक्तिशाली कोई नहीं, वो दुनिया में हर असंभव को संभव कर सकता है। याद रहे आज के दौर में, हर आदमी के लिए सबसे बड़ा तनाव होता है पारिवारिक तनाव। तनाव का परिणाम तो हमेशा बुरा और विनाशकारी ही होता है....**

**डा. वरिंद्र भाटिया**

मनोविज्ञान से जुड़ी अनेक रिपोर्ट्स बता रही हैं कि पारिवारिक परेशानियों के कारण देश में आत्महत्याओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह एक बड़ा सामाजिक सरोकार है। आइए, इस बिंदु को खंगालें और कुछ हल टटोलें। हर दूसरे, तीसरे व्यक्ति में, पारिवारिक टेंशन, यानी कि पारिवारिक तनाव आजकल उफान पर है, यह एक ज्वलंत सामाजिक चिंता का बिंदु है। इससे परिवार के सभी सदस्य प्रभावित हो जाते हैं। क्यों बढ़ रहे हैं आजकल पारिवारिक तनाव, यह अपने आप में एक बहुत बड़ा सामाजिक सरोकार है। पारिवारिक तनाव परिवार के किसी एक या ज्यादा सदस्य को होने वाला तनाव होता है। आजकल यह तनाव परिवार के सदस्यों के बीच के भावनात्मक संबंधों, मनोदशा, कल्याण और पारिवारिक संबंधों को प्रभावित कर रहा है, और परिवारों को बिखेर रहा है। यूं तो परिवार के सदस्यों के बीच में नोकझोंक होना आम बात है, परंतु यदि यह नोकझोंक लंबे समय तक बनी रहती है, तो यह विवाद में बदल जाती है, जिसकी वजह से बेहद करीबी लोग भी एक-दूसरे से दूर हो जाते हैं। इसका हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर बेहद नकारात्मक असर पड़ता है। पारिवारिक विवाद बच्चों के मानसिक विकास में रुकावट डालने के साथ-साथ घर के बड़ों के लिए भी बेहद नकारात्मक रूप से कार्य करता है। हमारे आसपास यही कुछ देखने में विदित हो रहा है। पारिवारिक टेंशन यानी तनाव को काबू करना आसान काम नहीं होता है, पर बावजूद इसके, यदि आपके घर में लंबे समय से पारिवारिक विवाद चल रहा है और परिवार के सदस्यों को डील करना आपके लिए मुश्किल होता जा रहा है, तो इस स्थिति में खुद के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने की जगह अपनी भावनाओं को प्राथमिकता देना सीखें। समझें कि कौनसी स्थिति, आपको तनाव दे रही है, यदि बात अधिक बिगड़ती जा रही है तो इस स्थिति में खुद को प्राथमिकता दें।

इन मामलों से खुद को कुछ समय के लिए दूर कर लें, जब मन शांत हो तो शांति से लोगों से बातचीत करें और मसले का हल निकालने की कोशिश करें। यदि आप हर वक्त परिवार में चल रहे विवाद को सुलझाने की कोशिश करते रहते हैं, तो इसका आपके मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कुछ चीजें समय के साथ खुद ठीक हो जाती हैं, साथ ही अन्य लोगों को भी चीजों को सही करने का मौका देना चाहिए। हमेशा सलाह देने और किसी काम को करने के लिए लोगों पर दबाव बनाने से आपकी मानसिक स्थिति भी खराब होती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि खुद को मानसिक रूप से शांत रखने के लिए परिवार के सदस्यों से बेवजह की उम्मीद रखने से बेहतर है, चीजों को स्वीकार करें, यह जरूरी नहीं है कि परिवार के सभी सदस्य आपके विचार से सहमत हों, ऐसे में चल रहे पारिवारिक विवाद के बीच अपनी बात को मनवाने के लिए विवाद को बढ़ावा न दें। दूसरों के विचारों को समझें और उसे अपनाएं। ऐसा करने से लोग आपकी लिए गए निर्णय को भी वैल्यू करेंगे और परिवार में नोकझोंक भी कम होगी। यदि आपके घर में पैसे से जुड़े मुद्दों को लेकर बात-विवाद चल रहा है या किसी प्रकार के अन्य संवेदनशील मुद्दे पर, तो इस स्थिति में विवादित मुद्दों पर बार-बार चर्चा न करें। क्योंकि ऐसा करने से घरेलू मतभेद अधिक बढ़ सकता है, जिससे केवल दूसरे लोग परेशान नहीं होंगे, बल्कि यह आपको भी पूरी तरह से बेकाबू कर देगा। ऐसे में जब घर-परिवार में शांति बनी हो, तो शांति को बनाए रखने की कोशिश करें। लोगों से सकारात्मक बातों पर चर्चा करें, ऐसा करने से हो सकता है कि विवाद कम हो। कई बार पारिवारिक विवाद में हम वर्तमान की स्थिति को छोड़, पुरानी विवादित बातों पर चर्चा करना शुरू कर देते हैं, जिसकी वजह से परेशानी और ज्यादा बढ़ सकती है। इस स्थिति में पुरानी बातों पर चर्चा करने से जितना बच सकते हैं, उतना बचें, वर्तमान में चल रही स्थिति को सुलझाने का प्रयास करें। टेंशन जीवन को पूरी तरह बर्बाद कर देती है, इनसान के पास जो अच्छे पल होते हैं, वो भी टेंशन की नजर हो जाते हैं, कुछ उपाय हैं जिनसे टेंशन को कम किया जा सकता है। जिस वजह से टेंशन है, उस समस्या को सुलझाने का प्रयास किया जाए और यदि कोई बड़ा नुकसान हो गया, तो उस नुकसान के असर को कम कैसे किया जा सकता है, इस पर विचार करके ठोस कदम उठाए जाएं।

**मेडिटेशन** – आप जिस भी खुदा, भगवान को मानते हों, कुछ समय उनके साथ बिताया जाए, ध्यान लगाया जाए, यह वास्तव में मन को बहुत सुकून देता है। अपने अच्छे दोस्तों या पारिवारिक सदस्यों के साथ समय बिताया जाए। हम भागदौड़ और टेंशन में अपनों का साथ खोते जा रहे हैं। एक लंबी वॉक भी आपकी टेंशन को काफी हद तक कम कर देती है। मैं अक्सर लंबी वॉक करता हूं और अकेले अपने साथ भी समय बिताता हूं, अच्छा संगीत भी मन को सुकून देता है, या कोई भी ऐसी हॉबी जो आपको पसंद हो, उस पर काम किया जाए। जैसे अच्छी किताबें पढ़ना, पेंटिंग बनाना, डांस करना इत्यादि। व्यायाम - यह टेंशन और स्ट्रेस भगाने का सबसे अच्छा माध्यम है। ऐसा मैं अपने अनुभव से कह रहा हूं। यह तबीयत को एकदम हल्का कर देता है और अपने आप शरीर और मन में स्फूर्ति भर जाती है। अच्छा भोजन और अपना पसंदीदा खाना भी टेंशन को काफी हद तक कम करता है, अपनी पसंद की कोई अच्छी डिश बना कर आप समय को अच्छा बना सकते हैं।

अगर समय हो तो कोई अच्छी मूवी देखनी चाहिए। जब हम टीवी देखते हैं, तो काफी हद तक दिमाग टीवी में उलझ जाता है और अपनी व्यक्तिगत बातों से हट जाता है, और सबसे बढ़ कर यह कि इस बात पर विश्वास होना चाहिए कि कोई भी टेंशन जीवन से बढ़ कर नहीं, टेंशन आनी-जानी है, यह जीवन का हिस्सा है। इसे खुद पर सवार नहीं करना चाहिए। इनसान से शक्तिशाली कोई नहीं, वो दुनिया में हर असंभव को संभव कर सकता है। याद रहे आज के दौर में, हर आदमी के लिए सबसे बड़ा तनाव होता है पारिवारिक तनाव। तनाव का परिणाम तो हमेशा बुरा और विनाशकारी ही होता है। आज के युग में जब परिवार में तनाव हो जाता है, तो हमारा सबसे पहला काम है कि हम अपना धैर्य बनाकर रखें। एकांत चित्त होकर, यह विचार करें कि समस्या की मूल जड़ क्या है? पारिवारिक फैसले के लिए दिमाग के साथ-साथ दिल की भी सुनें। अगर आप परिवार के सबसे बड़े हैं, तो फैसला बहुत सोच समझ कर लें। अगर छोटे हैं, तो अपना फैसला एक सुझाव के तौर पर अपने परिवार में अपने स्वभाव से मेल खाते हुए, किसी अन्य व्यक्ति के साथ सांझा करें, और दोनों मिलकर, परिवार के मुखिया से बात करें। यह विचार, पारिवारिक तनाव को कुछ हद तक कम करने में मदद कर सकेगा। हम सबके लिए बेहतर है कि हम पारिवारिक टेंशन को जिंदगी की जिंदादिली पर हावी न होने दें। अंत में बकौल फिराक गोरखपुरी, 'यह माना कि, जिंदगी है चार दिन की, बहुत होते हैं यारो, चार दिन भी।'

## आज का इतिहास

### 17 जून की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1994 - उत्तरी कोरिया अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को अपने देश में बने रहने देने को सहमत।

1999 - लेकेव जुमा द. अफ़्रीका के उपराष्ट्रपति नियुक्त, कारगिल में चल रहे युद्ध के मद्देनजर आई.एस.आई. द्वारा कारगिल जेहाद फ़ंड की स्थापना।

2001 - नेपाल शाही परिवार हत्या प्रकरण में डॉक्टर ने कहा कि दीपेन्द्र के खून में शराब का अंश नहीं था।

2002 - कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पुन- खोला गया।

2003 - फ़्रांस में 165 ईरानी आतंकवादी गिरफ़्तार।

2004 - मंगल पर पृथ्वी की चट्टानों से मिलते-जुलते पत्थर मिले। बगदाद में सेना की भर्ती केन्द्र पर विस्फोट में 42 मरे तथा 127 घायल।

2008 - देश में विकसित हल्के लड़ाकू विमान तेज़स का बंगलौर में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया।

रूस ने 2012 तक अपने विनाशकारी रासायनिक हथियारों का जखीरा नष्ट करने की दिशा में क़दम बढ़ाया। कनाडा सरकार ने तमिल वर्ल्ड मूवमेंट संगठन को आतंकवादी समूहों की सूची में डाला।

2012- साइना नेहवाल तीसरी बार इंडोनेशिया ओपन चैंपियन बनीं।

### 17 जून को जन्मे व्यक्ति

1973 - लिएंडर पेस - भारत के सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी

1981 - अमृता राव - हिन्दी चलचित्र अभिनेत्री।

1970 - निशिकांत कामत - हिंदी सिनेमा के मशहूर निर्देशक और अभिनेता थे।

1945 - पी. डी. टी. आचार्य - भारत के भूतपूर्व लोक सभा महासचिव रहे हैं।

1942 - भगत सिंह कोश्यारी - उत्तराखंड के राजनीतिज्ञ तथा वहाँ के दूसरे मुख्यमंत्री रहे हैं।

1903 - ज्योति प्रसाद अग्रवाल - असम के प्रसिद्ध साहित्यकार, स्वतंत्रता सेनानी तथा फ़िल्म निर्माता।

1887 - कैलाश नाथ काटजू - प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ तथा मध्य प्रदेश राज्य के भूतपूर्व मुख्यमंत्री।

### 17 जून को हुए निधन

2015 - मदन मोहन पुंछी - भारत के भूतपूर्व 28वें मुख्य न्यायाधीश थे।

1928 - गोपबंधु दास - प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, पत्रकार, कवि, साहित्यकार तथा उड़ीसा के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता।

# साइबर ठगी से बचने को सतर्कता जरूरी

**प्रवीण धीमान**

अवैध ऑनलाइन बेटिंग वेबसाइट्स पर साइबर अपराधी साइबर धोखाधड़ी के पैसे को फ्रॉड अकाउंट द्वारा निवेश कर रहे हैं जिससे वास्तविक खाताधारक का खाता पुलिस द्वारा होल्ड व फ्रीज कर लिया जाता है। उक्त खाताधारक का खाता होल्ड-फ्रीज होने पर पुलिस की जांच से गुजरना पड़ता है। साइबर अपराध से बचाव के लिए लोगों को चाहिए कि वे ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान सतर्क रहेंज

हिमाचल प्रदेश को साइबर सुरक्षित बनाने के लिए रेंज स्तर पर खोले गए तीन साइबर पुलिस स्टेशन तथा जिला स्तर पर साइबर सैल द्वारा गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं तथा इसी कड़ी में आम जनता को आजकल साइबर जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा साइबर ठगी की घटना होने पर 1930 पर डायल करने की सलाह दी जाती है। वर्तमान में डिजिटल गिरफ्तारी के मामलों में जरूर कमी आई है, लेकिन हिमाचल प्रदेश में साइबर अपराध अन्य तरीकों से तेज गति से बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 में वर्ष 2024 में 110431 तथा वर्ष 2025 में जून माह के अंत तक 112971 वित्तीय धोखाधड़ी की कॉल्स प्राप्त हुई हैं। साइबर धोखाधड़ी में ओटीपी फ्रॉड, ओएलएक्स फ्रॉड, लाटरी एवं बिजली बिल फ्रॉड, फेसबुक पर परिचित बनकर पैसा मांगना, स्पूफिंग कॉल, मालवेयर हमला, सेक्सटोर्शन, डिजीटल गिरफ्तारी व एपीके फाइल स्कैम आदि तरीके प्रचलन में थे, जिनका साइबर ठगी के लिए अब भी इस्तेमाल हो रहा है।

आम जनता उपरोक्त तरीकों के प्रति अब धीरे-धीरे जागरूक हो रही है। दूसरी तरफ साइबर अपराधी भी साइबर ठगी के लिए नए तरीकों का इस्तेमाल कर रहे हैं जिसके सम्बन्ध में आम जनता को जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। हिमाचल प्रदेश में भी दस से पंद्रह हजार की राशि के लालच के लिए बैंक अकाउंट्स व सिम साइबर अपराधियों को बेचे जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। खरीदे गए अकाउंट का प्रयोग साइबर अपराधियों द्वारा साइबर ठगी के पैसों को जमा करने तथा सिम का प्रयोग फ्रॉड कॉल करने के लिए किया जाता है जिससे कि अकाउंट और सिम बेचने वाला व्यक्ति साइबर ठगों के नेटवर्क में शामिल कर लिया जाता है। अत- पुलिस द्वारा सबसे पहले अकाउंट और सिम बेचने वाले व्यक्ति को ही गिरफ्तार किया जाता है। इसलिए जरूरी है कि कभी भी अपने सिम या अकाउंट को लालच में आकर दूसरे व्यक्ति को न बेचे। भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आईफोरसी) द्वारा संचालित नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीसीआरपी) के माध्यम से साइबर धोखाधड़ी से संबंधित हिमाचल प्रदेश में 1021 संदिग्ध मोबाइल नंबर तथा कुल 43278 म्यूल बैंक खातों को रिपोर्ट किया गया है। वर्तमान में मोबाइल फोन पर व्यक्ति की हर प्रकार की जानकारी, क्रेडिट कार्ड तथा अन्य वित्तीय जानकारियां होती हैं। मोबाइल फोन गुम या चोरी होने पर व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो सकता है, इसलिए तुरंत सिम को ब्लाक कराने के लिए आपको संबंधित मोबाइल ऑपरेटर के कस्टमर केयर से सपर्क करें तथा साथ ही बैंक अकाउंट को बंद करवाने के लिए संबंधित बैंक के टोल फ्री नंबर या संबंधित बैंक में कार्यरत किसी भी अधिकारी को तुरंत संपर्क करें। इसके अतिरिक्त साइबर ठगी से बचने के लिए आवश्यक है कि ऑनलाइन वित्तीय संबंधी ट्रांजैक्शन करने के लिए इस्तेमाल बैंक खाते में 15-20 हजार से ज्यादा राशि न रखें।

आज के दौर में सेवानिवृत्त तथा वरिष्ठ नागरिकों को इन्वेस्टमेंट स्कैम में सबसे ज्यादा निशाना बनाया जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार हिमाचल प्रदेश में शेयर मार्किट में निवेश/इन्वेस्टमेंट के नाम पर साइबर ठगी के मामलों में तेजी दिखाई दे रही है। इस वर्ष प्रदेश में इस माह के अंत तक 20 लाख या इससे अधिक की साइबर ठगी के कुल 25 अभियोग दर्ज हुए हैं, जिनमें से 18 अभियोग इनवेस्टमेंट फ्रॉड से सम्बन्धित हैं जिसमें 12 करोड़ 09 लाख के करीब की राशि की हानि हुई है। इसलिए जरूरी है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आ रहे फेक इन्वेस्टमेंट लिंक जो कि आपको भारी भरकम रिटर्न देने के आकर्षण दिखाते हैं, उनसे सावधान रहें तथा कभी भी क्लिक न करें। आजकल साइबर अपराधियों द्वारा टेलीग्राम, व्हाट्सएप और फेसबुक पर फर्जी ऑनलाइन नौकरी के विज्ञापनों के जरिए नौकरी की तलाश वाले युवकों से साइबर ठगों द्वारा उपलब्ध करवाए गए मोबाइल नंबर से जीरो बैलेंस खाता खुलवाकर, कमीशन का लालच देकर या अन्य ऑनलाइन टास्क करवाकर साइबर धोखाधड़ी की राशि को उक्त युवकों के खातों में डालते हैं। इसके अतिरिक्त, उपरोक्त फर्जी ऑनलाइन नौकरी के लिंक का प्रयोग कर भारी-भरकम सेलरी व विदेशों में नौकरी के झूठे ऑफर देकर नौजवान युवाओं को थाईलैंड एवं कंबोडिया आदि देशों में पहुंचाया जा रहा है, जहां पर इनके पासपोर्ट जब्त कर साइबर ठगी के काम में लगाया जाता है। साइबर अपराधी क्रिप्टोकरंसी की खरीद-फरोख्त बाइनेंस और अन्य एक्सचेंज पर अपनी पहचान छुपाकर पियर टू पियर (पीटूपी) माध्यम से धोखाधड़ी में प्रयुक्त बैंक अकाउंट से करते हैं जिससे साइबर ठगी की राशि प्रसारित होने पर वास्तविक खाताधारक का खाता पुलिस द्वारा होल्ड एवं फ्रीज कर लिया जाता है। अवैध ऑनलाइन बेटिंग वेबसाइट्स पर साइबर अपराधी साइबर धोखाधड़ी के पैसे को फ्रॉड अकाउंट द्वारा निवेश कर रहे हैं जिससे वास्तविक खाताधारक का खाता पुलिस द्वारा होल्ड व फ्रीज कर लिया जाता है। उपरोक्त खाताधारक का खाता होल्ड एवं फ्रीज होने पर पुलिस की जांच से गुजरना पड़ता है।

साइबर अपराध से बचाव के लिए लोगों को चाहिए कि वे ऑनलाइन गतिविधियों के दौरान संदिग्ध लिंक व अनजान मैसेज पर क्लिक न करें, अनजान मोबाइल नंबर से आ रही वीडियो/वायस कॉल न उठाएं, अनजान नंबरों से आई एपीके व अन्य फाइल डाउनलोड न करें, सोशल मीडिया प्लेटफार्म जैसे कि टेलीग्राम व व्हाट्सएप पर ऑनलाइन टास्क न करें, गूगल सर्च से मिलने वाले फर्जी हेल्पलाइन नंबरों को डायल न करें और सुरक्षित वेबसाइट का ही इस्तेमाल करें, मोबाइल फोन के अत्यधिक प्रयोग और उससे जुड़े जोखिमों के प्रति सजग रहें तथा आसान कमाई के लालच से बचें।

# सबसे खतरनाक दहशतगर्दों को खदेड़ डाला!.. कौन थे नाइजीरिया के मुहम्मदू बुहारी

**सूफी खान**

मुस्लिम बहुल अप्रसीकी मुल्क नाइजीरिया में लगातार दो कार्यकाल पूरे करने वाले और अपने दौर में नाइजीरिया को भ्रष्टाचार की दलदल से काफी हद तक बाहर निकालकर उसे पटरी पर लाने वाले पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी का इंतकाल हो गया है, वो 82 साल के थे। उनके इंतकाल की खबर से पूरे मुल्क में गम और अफसोस की लहर दौड़ गई। सिर्फ नाइजीरिया ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में उन्हें याद किया जा रहा है। भारत ने भी उनके निधन पर अफसोस जाहिर किया। भारत समेत दुनियाभर के नेता उनके इंतकाल पर दुखी हैं।

साल 2015 में मुहम्मदू बुहारी ने मुस्लिम अक्सरियत वाले देश नाइजीरिया में राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित होकर इतिहास रचा था। यह पहला मौका था, जब विपक्षी पार्टी के किसी उम्मीदवार ने शांतिपूर्वक सत्ता संभाली थी। दरअसल, 1983 में पूर्व जनरल मुहम्मदू बुहारी ने बलपूर्वक सत्ता हासिल की थी। हालांकि, दो साल के अंदर ही तख्तापलट कर उन्हें उस समय सत्ता से बेदखल कर दिया गया था। इसके बाद वे दोबारा 2015 में चुनाव जीतकर राष्ट्रपति बने और देश की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कई वादे और उस पर अमल भी किया।

बुहारी उस समय सत्ता में आए, जब देश में बदलाव की सख्त जरूरत थी। अपहरण और बम विस्फोट की घटनाएं आम हो गई थीं। इसके लिए कट्टरपंथी दहशतगर्द तंजीम बोको हराम को जिम्मेदार ठहराया जाता है, जिसका पूर्वोत्तर नाइजीरिया के बड़े हिस्से पर कंट्रोल था।

नाइजीरिया में आत्मघाती हमलों का दौर भी शुरू हो गया था। ऐसा ही एक हमला जुलाई 2014 में देश के उत्तरी इलाके में स्थित कडुना शहर में हुआ था। इस हमले में मोहम्मदु बुहारी को निशाना बनाया गया था। उस समय वे विपक्ष में थे। बुहारी इस हमले में बच गए, लेकिन दर्जनों लोग मारे गए थे। उस दौर में हिंसक घटनाएं चरम पर थीं। बुहारी इस क्रूरता को समाप्त करना चाहते थे। कहा जाता है कि बुहारी के दौर में नाइजीरिया को इस दहशतगर्दी से काफी हद तक निजात मिल गई थी। मुहम्मदू बुहारी ने दो कार्यकाल पूरे करने के बाद खुद पद छोड़ दिया था और कहा था टीनूबू राष्ट्रपति बने। देखा जाए तो उन्होंने खुद नाइजीरिया की कुर्सी का त्याग कर दिया था। बोको हराम जैसे दहशतगर्द संगठन को काफी हद तक नाइजीरिया से खदेड़ने में उनकी भूमिका बेहद अहम मानी जाती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दुख जताते हुए लिखा, 'नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी के निधन से अत्यंत दुखी हूं। मुझे मुख्तलिफ मौकों पर हुई हमारी मुलाकातें और बातचीत याद आती हैं। उनकी बुद्धिमत्ता, गर्मजोशी और भारत-नाइजीरिया मैत्री के प्रति अटूट प्रतिबद्धता अद्वितीय थी।'

## आज का राशिफल

मेष- सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-3-5-7

वृष - परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्ययभार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-4-5

मिथुन - विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-2-4-6

कर्क - पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार पक्ष से थोड़ी ड्श्चता रहेगी। शुभांक-1-3-5

सिंह - दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मड्श्चतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-4-6-8

कन्या - अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-2-3-5

तुला - कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-2-5-6

वृश्चिक - कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-4-6

धनु - संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-6

मकर - शनै-शनै- स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा परिणाम शुभ रहेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-2-4-6

कुंभ - विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-3-5-7

मीन - व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगों को आश्चर्य में डाल देंगे। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-2-5-6

# ईशा कोप्पिकर ने साझा की मानसिक स्वास्थ्य और शोहरत के पीछे छुपे मानसिक दबाव की कहानी

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर, जिन्हें क्या कूल हैं हम, कृष्णा कॉटेज, एक विवाह ऐसा भी, शबरी और डॉन जैसी फिल्मों में उनके यादगार किरदारों के लिए जाना जाता है, हाल ही में मानसिक स्वास्थ्य की प्रमुख पक्षधर बनकर उभरी हैं। फिल्म इंडस्ट्री में अपने उतार-चढ़ाव भरे सफर से सबक लेते हुए, वह आत्म-मूल्य, इंटेंसिटी और भावनात्मक कल्याण को लेकर खुले संवाद को प्रोत्साहित कर रही हैं। एक ऐसी दुनिया में जहाँ चकाचौंध अक्सर गहरे निजी संघर्षों को छुपा देती है, उनकी ईमानदारी ताजगी भरी और बेहद ज़रूरी है।

ईशा ने बताया, प्रसिद्धि दोधारी तलवार की तरह होती है। एक तरफ आपको सराहना और सफलता मिलती है, लेकिन दूसरी तरफ़, ऐसी उम्मीदों पर खरा उतरने का लगातार दबाव रहता है जो हमेशा वास्तविक नहीं होतीं। उन्होंने स्वीकार किया, आपसे उम्मीद की जाती है कि आप मुस्कराते रहें, चाहे अंदर से टूटे हुए हों।

ईशा ने बताया, प्रसिद्धि दोधारी तलवार की तरह होती है। एक तरफ आपको सराहना और सफलता मिलती है, लेकिन दूसरी तरफ़, ऐसी उम्मीदों पर खरा उतरने का लगातार दबाव रहता है जो हमेशा वास्तविक नहीं होतीं। उन्होंने स्वीकार किया, आपसे उम्मीद की जाती है कि आप मुस्कराते रहें, चाहे अंदर से टूटे हुए हों।

लंबे समय तक मुझे यह नहीं पता था कि 'मैं ठीक नहीं हूँ' कहना भी एक विकल्प है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में और लोगों को यह सुनने की ज़रूरत है कि कभी-कभी खुद को थका हुआ या हारा हुआ महसूस करना भी इंसानी बात है – और यह ज़रूरी नहीं कि आप चुप रहकर सब कुछ सहें। लगातार परफॉर्म करने, हर समय परफेक्ट दिखने और प्रासंगिक बने रहने का दबाव मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालता है – फिर भी बहुत कम लोग इस बारे में खुलकर बात करते हैं। ईशा का यह कदम इन पुराने और हानिकारक सोचों को चुनौती दे रहा है जो भावनात्मक कमज़ोरी को कमजोरी समझते हैं। उनका यह सशक्त संदेश उन सभी लोगों के लिए है जो चुपचाप संघर्ष कर रहे हैं। आप जैसे हैं, वैसे ही पर्याप्त हैं। यह एक साधारण सच है जिसे हम में से कई लोग भूल जाते हैं, खासकर उस दुनिया में जहाँ हर चीज़ को फ़िल्टर और परफेक्शन के नाम पर सजाया-संवारा जाता है। असली ताक़त सब कुछ कंट्रोल में रखने में नहीं, बल्कि खुद के प्रति सच्चे, दयालु और ईमानदार रहने में है। कमजोरी नहीं, बल्कि vulnerability ही असली साहस है। ईशा कोप्पिकर के ये ईमानदार विचार मनोरंजन जगत में सफलता, मजबूती और आत्म-देखभाल के प्रति नज़रिए को नया रूप देने में मदद कर रही हैं। ऐसे समय में जब सोशल मीडिया अक्सर असुरक्षा और अवास्तविक उम्मीदों को बढ़ावा देता है, उनका संदेश दिल को छू जाता है। वह न सिर्फ़ दूसरों को अपनी पहचान का एहसास दिला रही हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को एक अहम मुद्दा बनाकर पूरे विमर्श को बदलने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

## सन ऑफ़ सरदार 2 में पहली बार सरदार की भूमिका निभाएंगे रवि किशन: बहुप्रतिभाशाली स्टार का नया अवतार

अभिनेता और सांसद रवि किशन, जो अपनी दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और विभिन्न भाषाओं में शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं, अब सन ऑफ़ सरदार 2 में एक बिलकुल नए अवतार में नजर आने वाले हैं। अपने करियर में पहली बार वे पगड़ी पहनकर एक सरदार की भूमिका निभा रहे हैं – एक ऐसा किरदार जो खासकर उत्तर भारत में गहरी सांस्कृतिक और भावनात्मक गूंज रखता है। फिल्म के बहुप्रतीक्षित ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान रवि किशन ने अपनी इस भूमिका को लेकर उत्साह और निजी जुड़ाव साझा किया। उन्होंने कहा, ÷आपने मुझे कई किरदारों में देखा होगा, लेकिन सरदार के रूप में पहली बार देखेंगे। हमारे बिहार और यूपी के इलाके में, खासकर गोरखपुर जहां मेरी लोकसभा सीट है, वहां बहुत बड़ी सरदारों की आबादी है। 20ङ्क25 हजार से ज्यादा लोग हैं और दर्जनों गुरुद्वारे हैं। वहां की पूरी कम्युनिटी बहुत उत्साहित है, और अब पूरा उत्तर भारत मुझे एक सरदार के रूप में देखेगा।÷

यह नया किरदार रवि किशन के बहुआयामी करियर में एक और महत्वपूर्ण पड़ाव है, जो भोजपुरी, हिंदी, तेलुगु और दक्षिण भारतीय सिनेमा में फैला हुआ है। गंभीर ड्रामा, एक्शन या कॉमेडी– हर भूमिका में वह गहराई और सच्चाई लाते हैं। दिलचस्प बात ये है कि यह किरदार पहले संजय दत्त के लिए लिखा गया था, लेकिन किस्मत को कुछ और मंजूर था। इस बारे में बात करते हुए रवि किशन ने कहा ÷संजू बाबा को पहले ये रोल करना था, लेकिन वो नहीं हो पाया। जब अजय सर ने मुझे ऑफर किया तो मैं वाकई बहुत टेंशन में आ गया। डर लगा कि ये कैसे होगा।

लेकिन अजय सर ने मुझ पर भरोसा जताया और कहा–रवि, तू कर लेगा। उसी विश्वास ने मुझे ये रोल करने की ताकत दी।÷ फिल्म के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, ÷कॉमेडी तो बहुत देखी है, लेकिन इस फिल्म में एक अलग तरह की कॉमेडी है–जहां एक खूबसूरत कहानी आपके दिल को छूती है। ये फिल्म सिर्फ हंसाएगी नहीं, आपको भीतर तक छू जाएगी। उन्होंने स्क्रिप्ट की तारीफ की, जिसने ह्यूमर और इमोशन के बीच शानदार संतुलन बनाया है और कहा कि फिल्म के किरदार और कहानी दर्शकों के दिलों में लंबे समय तक बनी रहेगी। इस फिल्म के जरिए रवि किशन न सिर्फ एक नया ऑन-स्क्रीन रूप लेकर आ रहे हैं, बल्कि उत्तर भारतीय दर्शकों से अपने जुड़ाव को भी और गहरा कर रहे हैं– एक ऐसी समुदाय को प्रतिनिधित्व देते हुए जिसे मुख्यधारा के सिनेमा में शायद ही इतनी प्रमुखता से दिखाया गया हो।

## कियारा आडवाणी- सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर आई नन्ही परीनॉर्मल डिलीवरी हुई, कपल ने अनाउंस कर कहा- हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई है, बेटी का आशीर्वाद मिला

कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा पेरेंट्स बन गए हैं। कियारा ने मंगलवार रात को मुंबई के एचएन रिलायंस हॉस्पिटल में बेटी को जन्म दिया है। कियारा सोमवार को हॉस्पिटल में एडमिट हुई थीं, जहां उनकी नॉर्मल डिलीवरी हुई है। कियारा आडवाणी और बेबी दोनों हेल्दी हैं। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, कियारा की डिलीवरी अगस्त में होनी थी, जो अब जुलाई में हुई है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा आडवाणी ने बुधवार को इसकी ऑफिशियल अनाउंसमेंट की है। एक पोस्ट में कपल ने लिखा है, हमारे दिल भर चुके हैं और हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल चुकी है। हमें बेटी का आशीर्वाद मिला है। फैंस इस खुशखबरी के बाद कपल की बेटी की पहली झलक का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बताते चलें कि सिद्धार्थ और कियारा ने फिल्म शेरशाह में साथ काम किया था। शूटिंग के सेट पर दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। सिद्धार्थ और कियारा ने 7 फरवरी 2023 को जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में शादी की थी। ये एक इंटिमेट वेडिंग थी, जिसमें करीबी रिश्तेदार और दोस्त ही शामिल हुए थे। शादी के एक साल बाद फरवरी 2024 में कपल ने खूबसूरत अंदाज में गुड न्यूज शेयर की थी। कपल ने एक छोटे से सॉक्स की तस्वीर के साथ लिखा था, हमारी जिंदगी का सबसे बेहतरीन गिफ्ट जल्द आ रहा है। साल 2019 में फिल्म जुग जुग जियो के प्रमोशनल इवेंट में कियारा आडवाणी ने मां बनने पर बात की थी। उस समय उनकी शादी भी नहीं हुई थी। कोईमोई से बातचीत में कियारा ने कहा था कि वो चाहती हैं उन्हें एक बेटी और एक बेटा हो। उन्होंने कहा था।

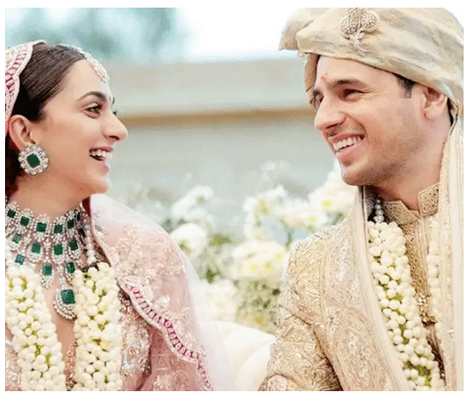

## आप जैसा कोई के बाद आर. माधवन बोले, अब रोमांटिक फिल्मों के मौके कम मिलते हैं

अभिनेता आर. माधवन की हाल ही में रोमांटिक फिल्म आप जैसा कोई रिलीज हुई, जिसमें उन्होंने संस्कृत के टीचर श्रीरेणु त्रिपाठी का किरदार निभाया। माधवन ने बताया कि कैसे समय के साथ अब रोमांटिक फिल्मों में काम करने के अवसर कम होते जा रहे हैं।

फिल्म के बारे में बात करते हुए माधवन ने बताया कि उन्हें इसमें क्या खास लगा। उन्होंने कहा, मैंने इस फिल्म को इसलिए नहीं चुना कि मैं रोमांटिक फिल्मों में वापसी कर लूं, बल्कि इसलिए चुना क्योंकि इसकी कहानी दिलचस्प थी, मेरी उम्र के हिसाब से थी और आज के समय से जुड़ी थी। लव स्टोरी में अभिनय करने के बहुत कम मौके बचे हैं और ऐसे मौके और भी कम होते हैं जो सच्चे और असली लगें।

फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ काम करने के बारे में उन्होंने कहा, फातिमा बेहद टैलेंटेड कलाकार हैं। वो बहुत ही प्यारी हैं, और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। उन्हें जानने के लिए शूटिंग का समय सच में बहुत कम था।

इससे पहले फातिमा सना शेख ने भी फिल्म में माधवन के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा किया था। उन्होंने कहा था, मैं आर. माधवन की बहुत बड़ी फैन रही हूं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका पाकर बेहद खुशी हो रही है। वह बहुत ही समझदार और होशियार हैं। मैंने सेट पर हर दिन उनसे कुछ नया सीखा है।

आप जैसा कोई फिल्म में आर. माधवन और फातिमा सना शेख के अलावा, आयशा रजा, मनीष चौधरी और नमित दास भी अहम रोल में हैं।

फिल्म की कहानी दो ऐसे लोगों की है, जो बिल्कुल अलग-अलग दुनिया से आए हैं। कहानी की शुरुआत होती है, जमशेदपुर के एक संस्कृत शिक्षक श्रीरेणु त्रिपाठी से, जो 42 की उम्र में भी अविवाहित हैं और खुद को समझदार और शांत स्वभाव का मानते हैं, लेकिन भीतर ही भीतर अकेलेपन से जूझ रहे हैं। इस अकेलेपन से बाहर निकलने के लिए वह एक ऑनलाइन चैटिंग ऐप का सहारा लेते हैं, जहां उनकी मुलाकात कोलकाता की एक आत्मनिर्भर और खुले विचारों वाली फ्रेंच टीचर मधु बोस से होती है। मधु का किरदार फातिमा सना शेख ने निभाया है।

मधु का जीवन श्रीरेणु से बिल्कुल अलग है, वह रिश्तों में कई बार टूटी है, लेकिन हर बार और मजबूत बनकर उभरी है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे अलग सामाजिक सोच और जीवनशैली के बावजूद दो इंसान एक-दूसरे के करीब आते हैं। दोनों की पसंद-नापसंद अलग होते हुए भी भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, उनके बीच की वैचारिक दूरियां उभरने लगती हैं। यही टकराव फिल्म को गहराई देता है।

## संगीत की दुनिया में एक चमकता सितारा, जिनकी आवाज की मिठास ने जीता श्रोताओं का दिल

संगीत का जादू हर किसी की जिंदगी में खुशी और मस्ती लेकर आता है। कुछ आवाजें ऐसी होती हैं जो कानों में नहीं, सीधे दिल में उतरती हैं और फिर वहीं बस जाती हैं। ऐसी ही एक जादुई आवाज है रूपाली जग्गा की, जो सहारनपुर की गलियों से निकलकर लाखों दिलों की धड़कन बन चुकी हैं। रूपाली अपनी मेहनत और जुनून के दम पर मनोरंजन जगत में अपनी पहचान बना रही हैं। इस सफर में उन्होंने कदम-कदम पर संघर्ष और सफलता दोनों देखे हैं।

15 जुलाई 1995 को जन्मीं रूपाली को बचपन से ही संगीत से बहुत लगाव था। संगीत की उनकी इस यात्रा में उनको अपने परिजनों का भी भरपूर साथ मिला। उनके घर में कुल आठ सदस्य हैं ङ्क माता-पिता, दादा-दादी, दो बहनें और एक भाई। परिवार का साथ और प्यार उनके सफर की सबसे बड़ी ताकत रहा। रूपाली ने अपने करियर की शुरुआत 2013 में की, जब वह मशहूर टीवी शो इंडियन आइडल के मंच पर नजर आईं। हालांकि वह फाइनलिस्ट नहीं बन पाईं और इससे पहले ही शो से बाहर हो गईं। साल 2016 में वह टीवी शो सारेगामापा में सेकंड रनर अप रहीं। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा और लगातार मेहनत करते हुए कई म्यूजिक कॉम्पटीशंस में हिस्सा लिया। साल 2017 में रूपाली को पहला बड़ा मौका मिला, जब उन्होंने कन्नड़ फिल्म सरकारी क्लासा देवरा क्लासा में कन्नु होडिबेदी गाया। इस गाने को काफी पसंद किया गया। इसके बाद 2018 में उन्होंने टीवी शो द रिमिक्स में हिस्सा लिया। यह शो काफी लोकप्रिय हुआ और यहां रूपाली ने अपनी प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। इस शो को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया और इसे इंटरनेशनल एमी अवार्ड के लिए नामांकित किया गया। उन्होंने साल 2022 में रिलीज हुई फिल्म ऑपरेशन रोमियो का गाना तेरे बिन जीना क्या गाया। इसके बाद रूपाली जग्गा ने अपने करियर में सॉरी, सोनिया, आवारा शाम है, मजबूर, दिल ये दिलबरो, कांटा लगा, जन्म जन्म, ये नैना, तेरे पीछे, जोगन, पिया रंगीला, तू रब दी मेहर, चेंज सोनिया, कॉल करी जैसे शानदार गाने गाए। रूपाली ने अपने गायन से सोशल मीडिया पर भी खास जगह बनाई है। टिकटॉक पर उनकी आवाज में गाया गया बी प्राक का गाना मन भरया काफी वायरल हुआ। इस वीडियो ने उन्हें लाखों फॉलोअर्स दिलाए। टिकटॉक पर उनके 12 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स और 300 मिलियन से ज्यादा लाइक्स थे। टिकटॉक भारत में बैन हो गया था।

## सावन के पहले सोमवार शिवभक्ति में लीन दिखीं भोजपुरी स्टार रानी चटर्जी

सावन का पहला सोमवार हमेशा से ही भगवान शिव के भक्तों के लिए बहुत खास होता है। यह दिन शिव जी की पूजा और आराधना के लिए समर्पित होता है। इस अवसर पर लोग शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं, बेलपत्र अर्पित करते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। इसी पवित्र माह के पहले सोमवार को भोजपुरी एक्ट्रेस रानी चटर्जी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर बेहद सुंदर और भक्तिमय फोटो शेयर की है। इस फोटो में रानी चटर्जी शिवलिंग को बड़ी श्रद्धा से हाथों में उठाए दिख रही हैं। फैंस उनकी इस फोटो को काफी पसंद कर रहे हैं। रानी चटर्जी ने भगवान शिव के प्रति गहरे सम्मान और श्रद्धा को दिखाते हुए इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर की। इस फोटो में वह सुर्ख लाल जोड़े में नजर आ रही हैं। वह गाड़ी में बैठी हुई हैं। इस दौरान उनके हाथ में शिवलिंग है, जिसे वह बड़ी ही आस्था के साथ गले लगा रही हैं। यह फोटो भगवान शिव के प्रति उनकी श्रद्धा को बयां करता है। इस फोटो को शेयर करते हुए रानी ने कैप्शन में लिखा, सावन की शुभकामनाएं... भोले बाबा सबकी मनोकामना पूर्ण करें। सावन के इस शुभ अवसर पर रानी चटर्जी का यह भक्तिमय फोटो उनके चाहने वालों के लिए एक खास तोहफा जैसा है। उनके इस फोटो पर फैंस ने खूब प्यार और प्रतिक्रिया दी है। एक फैन ने लिखा, आपकी यह फोटो सुंदर और प्रेरणादायक है। वहीं दूसरे फैन ने लिखा, इस तस्वीर में आपकी भक्ति साफ दिख रही है, आप हम सबके लिए एक मिसाल हैं। अन्य ने आपकी श्रद्धा को प्रणाम, सच में आपने सावन के पहले सोमवार को और भी खास बना दिया, और शिव की सच्ची भक्त जैसे कमेंट्स किए। वहीं कुछ लोगों ने हर हर महादेव के जयकारे भी कमेंट्स में लिखे। इनके अलावा, कई फैंस ने उनके दुल्हन लुक की भी जमकर तारीफ की। बता दें कि पिछले साल सावन के मौके पर उनका एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह अपने हाथों से शिवलिंग बनाती नजर आई।

# रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया ने शेयर की कृति संग फोटो

## क्या कंफर्म कर दिया अपना रिलेशनशिप

कृति सेनन का नाम पिछले कुछ वक्त से बिजनेसमैन कबीर बहिया के साथ जोड़ा जा रहा है। अक्सर दोनों कई मौकों पर साथ भी देखे गए। लेकिन दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते को लेकर कुछ भी नहीं कहा। कृति कई इंटरव्यूज में खुद को सिंगल ही बताती रहीं। लेकिन अब ऐसा लगता है कि दोनों अपने रिश्ते को आधिकारिक करने की सोच रहे हैं। क्योंकि कबीर बहिया की हालिया स्टोरी तो कुछ ऐसा ही बयां करती है।

**कबीर ने शेयर की फोटो:** भारत और इंग्लैंड के बीच इंग्लैंड के लॉर्ड्स में खेले गए टेस्ट मैच के पांचवें दिन कई बॉलीवुड सेलेब्स भी मैच देखने पहुंचे थे। इस दौरान अभिनेत्री कृति सेनन भी अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड कबीर बहिया के साथ इस मैच का लुत्फ उठाते दिखीं। दोनों की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर सामने आईं। लेकिन अब खुद कबीर बहिया ने कृति सेनन के साथ एक तस्वीर मैच के दौरान की शेयर की है। कबीर ने मैच से जुड़ी कई स्टोरी अपने इंस्टाग्राम पर शेयर कीं। इसी में कबीर ने कृति सेनन के साथ भी एक फोटो शेयर की है। यह एक सेल्फी है जिसमें कृति कबीर के साथ खड़ी हैं। फोटो में दोनों काफी खुश नजर आ रहे हैं। पीछे लॉर्ड्स का ग्राउंड भी दिख रहा है।

**रिश्ते पर दोनों ने साध रखी चुप्पी:** इससे पहले भी कई मौकों पर कृति और कबीर को साथ देखा गया है। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते पर खुलकर कोई बात नहीं की। न ही दोनों में से किसी ने भी इस तरह से एक-दूसरे के साथ कोई तस्वीर साझा की। ऐसे में अब कबीर ने कृति के साथ ये तस्वीर शेयर करके कहीं न कहीं दोनों के रिश्ते को आधिकारिक करने का काम किया है।

**'तेरे इश्क में' में नजर आएंगी कृति:** वर्कफ्रंट की बात करें तो कृति सेनन जल्द ही आनंद एल राय की फिल्म 'तेरे इश्क में' में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ धनुष प्रमुख भूमिका में दिखाई देंगे। इस फिल्म को इसी साल 28 नवंबर को रिलीज होना है।

# शेख हसीना युग के बाद भारत से दोस्ताना संबंध चाहती है बीएनपी, पार्टी के वरिष्ठ नेता का बयान

**ढाका ,एजेंसी।** बांग्लादेश की शीर्ष राजनीतिक पार्टी बीएनपी के एक बड़े नेता ने कहा है कि वे भारत के साथ अच्छे संबंध रखना चाहते हैं। बीएनपी नेता और पार्टी के कानूनी मामलों के सचिव केसर कमाल ने कहा कि बीएनपी एक ऐसी पार्टी है, जो सभी के साथ दोस्ती करने और किसी से दुश्मनी न करने में यकीन रखती है। यही हमारी विचारधारा है, जिसे पूर्व राष्ट्रपति शहीद जियाउर रहमान ने पेश किया था। भारत हमारा बड़ा पड़ोसी है, इसलिए बीएनपी, गरिमा, दोस्ती और एकता को बनाए रखते हुए सभी के साथ मिलकर काम करना चाहेगी।

**बीएनपी को उम्मीद-निष्पक्ष चुनाव कराएगी अंतरिम सरकार :** न्यूज़ एजेंसी एएनआई के साथ बातचीत में केसर कमाल ने कहा कि बेशक बांग्लादेश में अभी राजनीतिक पार्टियों के बीच आपसी मतभेद हैं, लेकिन उन्हें उम्मीद जताई कि मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार देश में मुक्त, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव कराने में सफल रहेगी। केसर कमाल ने कहा 5 अगस्त को शेख हसीना के देश छोड़कर जाने के बाद मोहम्मद यूनुस सभी राजनीतिक पार्टियों के सहयोग से सरकार चला रहे हैं। सभी पार्टियों ने एकराय होकर मोहम्मद यूनुस से अंतरिम सरकार का नेतृत्व करने की अपील की थी। बीएनपी को विश्वास है कि अंतरिम सरकार निष्पक्ष और मुक्त चुनाव कराने में सफल होगी।

**बहु-राजनीतिक पार्टी व्यवस्था में यकीन :** बीएनपी नेता ने ये भी कहा कि उनकी पार्टी बहु-राजनीतिक पार्टी व्यवस्था में यकीन करती है। उन्होंने कहा कि अभी अवामी लीग स्थगित चल रही है और ये कार्यकारी सरकार का फैसला है, लेकिन एक राजनीतिक पार्टी होने के नाते बीएनपी हमेशा से बहु-राजनीतिक पार्टी व्यवस्था और लोकतंत्र में यकीन रखती है। पूर्व पीएम और बीएनपी नेता खालिदा जिया के स्वास्थ्य को लेकर केसर कमाल ने कहा कि बेगम खालिदा जिया के नेतृत्व में बीएनपी न सिर्फ देश में बल्कि पूरे महाद्वीप में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टियों में से एक बनी। हालांकि उनकी सेहत पर डॉक्टर ही बेहतर बता सकेंगे।

**अवामी लीग की सरकार में अल्पसंख्यकों पर हुआ ज्यादा अत्याचार :** बीएनपी ने ये भी कहा कि पूर्व पीएम शेख हसीना को बांग्लादेश आकर न्याय का सामना करना चाहिए। उन पर विरोध प्रदर्शन के दौरान दो हजार मासूमों को मरवाने का आरोप है। उन्होंने ये भी कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार का मुद्दा उठाया जा रहा है, लेकिन हिंदुओं पर अवामी लीग की सरकार में ज्यादा अत्याचार हुए। हिंदुओं पर हमले की घटनाओं पर उन्होंने कहा कि अवामी लीग के नेता या समर्थक होने के नाते उन पर हमले हुए और इसमें हिंदू मुस्लिम का कोण नहीं है।

## ताइवान में चीन की सैन्य हलचल बढ़ी

**ताइपे (ताइवान), एजेंसी।** ताइवान का स्वतंत्र राष्ट्र होना चीन को फूटी आंख नहीं सुहाता। उसकी हरचंद कोशिश है कि ताइवान चीन का हिस्सा बने। वह लंबे समय से इस कोशिश में लगा हुआ है। ताइवान के आसपास चीन के लड़ाकू विमान मंडराते रहते हैं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने कहा कि आज सुबह देश के हवाई और जल क्षेत्र में चीन की सैन्य गतिविधियां देखी गईं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने एक्स पोस्ट में कहा कि आज सुबह 6: 00 बजे (स्थानीय समय) चीन के 18 सैन्य विमान, सात नौसैनिक जहाज और दो आधिकारिक जहाज देखे गए। 18 सैन्य विमानों में से छह मध्य रेखा को पार कर देश के उत्तरी, मध्य, दक्षिण-पश्चिमी और पूर्वी वायु रक्षा पहचान क्षेत्र (एडीआईजेड) में प्रवेश कर गए। चीन की कार्रवाई के जवाब में सशस्त्र बलों ने सैन्य विमान, नौसैनिक जहाज और तटीय मिसाइल प्रणालियां तैनात कीं। रक्षा मंत्रालय ने एक अन्य एक्स पोस्ट में कहा कि मंत्री वेलिंगटन कू ने कल रात रन-वे की मरम्मत में जुटे सैनिकों का कुशलक्षेम जानने के लिए हुआलिएन का दौरा किया। उल्लेखनीय है कि कल (15 जुलाई) भी चीन के सैन्य विमानों ने ताइवान में घुसपैठ की थी। राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने एक्स पोस्ट में कहा था कि सुबह ताइवान के आसपास 26 चीनी सैन्य विमानों, सात नौसैनिक जहाजों और गया।

## जॉन टोरोड को नस्लवादी भाषा का इस्तेमाल करना पड़ा भारी, बीबीसी के शो मास्टरशेफ से बाहर

**लंदन,एजेंसी।** मशहूर शेफ जॉन टोरोड अब बीबीसी के चर्चित कार्यक्रम (शो) मास्टरशेफ में नजर नहीं आएंगे। उन्हें शो के प्रस्तोता पद से बर्खास्त कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई-ब्रिटिश सेलिब्रिटी शेफ और टेलीविजन एंकर टोरोड पर नस्लवादी भाषा का इस्तेमाल करने का गंभीर आरोप लगा है। द गार्डियन के अनुसार, टोरोड की अब इसमें वापसी की संभावना क्षीण हो गई है। इस शो की निर्माता कंपनी बनिजय यूके ने साफ किया है कि टोरोड पर लगे आरोप गंभीर हैं। इसलिए उनके अनुबंध को आगे बढ़ाया नहीं जा सकता। हालांकि जॉन टोरोड इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। ऑस्ट्रेलिया में जन्मे 59 वर्षीय शेफ टोरोड ने सोमवार शाम माना था कि वह ऐसे एक आरोप का सामना कर रहे हैं। आरोप है कि उन्होंने पूर्व सह प्रस्तोता ग्रेग वालेस के खिलाफ नस्लीय भाषा का इस्तेमाल किया था। बनिजय यूके के प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा, इस आरोप को गंभीरता से लिया गया है। ग्रेग वालेस के आरोपों की जांच लुईस सिल्किन की कानूनी टीम ने की है। जांच में कहा गया है कि जॉन टोरोड ने 2018 में बेहद आपत्तिजनक नस्लवादी भाषा का प्रयोग किया था। बीबीसी के प्रवक्ता ने कहा कि टोरोड के खिलाफ आरोप कार्यस्थल पर बेहद आपत्तिजनक नस्लवादी शब्द के इस्तेमाल से जुड़ा है। जॉन टोरोड के इनकार करने से सच नहीं बदल सकता। मास्टरशेफ के लिए जॉन टोरोड का अनुबंध किसी भी कीमत पर आगे नहीं बढ़ाया जाएगा। टोरोड ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर कहा, हालांकि मुझे बीबीसी या बनिजय में किसी से इस बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है। मैं टीवी चैनलों में देख और समाचार पत्रों में पढ़ रहा हूं कि मुझे मास्टरशेफ से बर्खास्त कर दिया गया है। मैं फिर कह रहा हूं कि मुझे याद नहीं कि मुझ पर क्या आरोप लगाया गया है। जांच में यह भी नहीं बताया जा सका कि मैंने कब कुछ गलत कहा था। व्यक्तिगत रूप से मुझे मास्टरशेफ का हर पल बहुत पसंद आया है। अब समय आ गया है कि वह भूमिका किसी और को दे दी जाए।

## दा में हिंसक झड़पें, सेना और ड्रुज गुटों के बीच संघर्ष विराम टूटा; इस्राइल ने सीरिया को दी धमकी

**दमिश्क,एजेंसी।** सीरिया के दक्षिणी स्वैदा प्रांत में एक बार फिर हिंसक झड़पें हुईं। इसके बाद सुरक्षा बलों और ड्रूज धार्मिक अल्पसंख्यक के मिलिशिया समूह के बीच हुआ संघर्ष विराम टूट गया। वहीं ड्रुजों पर हुए हमलों को लेकर इस्राइल ने कड़ी चेतावनी दी है। सीरिया के रक्षा मंत्रालय ने मिलिशिया पर युद्ध विराम समझौते का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सैन्य बल स्वैदा शहर के अंदर आग के स्रोत पर कार्रवाई जारी रखे हुए हैं। जबकि निवासियों की सुरक्षा, नुकसान को रोकने और शहर छोड़कर चले गए लोगों की सुरक्षित घर वापसी कराई जा रही है।

यूके स्थित वॉर मॉनिटर सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के मुताबिक, झड़पों की शुरुआत तब हुई जब एक ड्रूज सब्जी विक्रेता को एक बेदुइन कबीले ने अपहरण कर लूट लिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच एक के बाद एक अपहरण और जवाबी हमले शुरू हो गए। यही हिंसा बड़े संघर्ष में बदल गई।

बुधवार को सरकारी बलों की भी ड्रूज़ सदस्यों के साथ झड़प हुई। जबकि सुरक्षा बलों के सदस्यों के गैर-न्यायिक हत्याएं करने, लूटपाट करने और नागरिक घरों को जलाने की खबरें सामने आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इन झड़पों में कम से कम 30 लोगों की मौत हो चुकी है जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। वहीं ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था सीरियन ऑब्ज़र्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने बताया कि बुधवार सुबह तक 250 से ज़्यादा लोग मारे जा चुके थे, जिनमें चार बच्चे, पांच महिलाएं और 138 सैनिक और सुरक्षा बल शामिल थे।

**इस्राइल ने दी धमकी :** संघर्ष शुरू होने के बाद से इस्राइल ने सीरिया की सेना के काफिलों पर हवाई हमले किए। इस्राइल ने कहा कि वह ड्रूज़ की रक्षा के लिए ऐसा कर रहा है। इस्राइल के रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज़ ने कहा कि इस्राइली सेना शासन बलों पर तब तक हमला करती रहेगी जब तक वे क्षेत्र से वापस नहीं चले जाते और यदि संदेश नहीं समझा गया तो जल्द ही शासन के खिलाफ प्रतिक्रिया का स्तर भी बढ़ा दिया जाएगा।

**ड्रूज़ समुदाय को वफादार मानता है इस्राइल :** इस्राइल में ड्रूज़ समुदाय को आमतौर पर एक वफादार अल्पसंख्यक माना जाता है, और वे इस्राइली सेना में भी सेवा करते हैं। सीरिया के विदेश मंत्रालय ने सभी देशों से अपील की है कि वे सीरिया की संप्रभुता का सम्मान करें और किसी भी विद्रोही या अलगाववादी गतिविधियों का समर्थन न करें।

## इस्राइली हमलों में 41 फलस्तीनियों की मौत, राहत वितरण केंद्र के पास भगदड़ में 20 अन्य की भी गई जान

**तेल अवीव,एजेंसी।** गाजा पट्टी में राहत कार्यक्रम चलाने वाले एक इस्राइल समर्थित अमेरिकी संगठन ने बुधवार को जानकारी दी कि एक वितरण स्थल के पास 20 फलस्तीनियों की मौत हो गई। अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक, इसी दौरान इस्राइल हमलों में 41 अन्य लोगों की जान चली गई, जिनमें 11 बच्चे भी शामिल हैं।

**हमास के कारण भड़की हिंसा: जीएचएफ :** गाजा ह्यूमैनिटेरियन फंड (जीएचएफ) ने बताया कि दक्षिण गाजा के खान यूनिस में एक वितरण केंद्र के पास 19 लोगों की मौत भगदड़ में कुचले जाने से हुई, जबकि एक व्यक्ति की मौत चाकू से हमला होने के कारण हुई। संगठन ने आरोप लगाया कि हमास द्वारा डर और भ्रम फैलाने के कारण हिंसा भड़की। हालांकि, उसने इस दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। यह संगठन आमतौर पर अपने वितरण केंद्रो के पास हुई गड़बड़ी को नहीं मानता।

**मदद पाने की कोशिश में 850 लोगों की गई जान :** संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय और गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि मई से अब तक करीब 850 फलस्तीनियों की मौत सहायता पाने की कोशिश करते हुए हो चुकी है। इसमें जीएफएच के वितरण स्थलों सहित अन्य केंद्र भी शामिल हैं।

**उत्तरी गाजा और खान यूनुस में 41 की मौत :** वहीं, इस्राइली हमलों में उत्तरी गाजा में 22 लोगों की मौत हुई, जिनमें 11 बच्चे शामिल हैं। खान यूनुस शहर में 19 अन्य की जान गई। इस्राइली सेना ने कहा कि उसने बीते चौबीस घंटों में गाजा पट्टी में (हमास के) 120 से अधिक ठिकानों को निशाना बनाया है, जिसमें उसकी सुरंगें और हथियार भंडारण केंद्र शामिल हैं। इस्राइल का आरोप लगाता है कि हमास नागरिक इलाकों के बीच में अपने सैन्य ढांचे को छिपाता है।

**इस्राइल की दबाव बढ़ाने की रणनीति :** गुरुवार को इस्राइली सेना ने एक चौथा गलियारा खोलने की घोषणा की, जो खान यूनुस के बीच से होकर जाता है। यहां इस्राइली सैनिकों ने जमीन पर कब्जा किया है। सेना का कहना है कि यह हमास पर दबाव बनाने की रणनीति है। पहले भी ऐसे संकरे जमीनी गलियारे संघर्षविराम वार्ताओं में बड़ी रुकावट बन चुके हैं, क्योंकि इस्राइल इन गलियारों पर मौजूदगी बनाए रखना चाहता है।

## अमेरिकन आइडल की सुर और संगीत विशेषज्ञ रॉबिन केय और उनके पति की हत्या

**एनकिनो (कैलिफोर्निया),एजेंसी।** संयुक्त राज्य अमेरिका में लॉस एंजिल्स के पड़ोसी शहर एनकिनो में अमेरिकन आइडल की पूर्व सुर और संगीत विशेषज्ञ रॉबिन केय और उनके पति थॉमस डेलुका की हत्या से हर कोई सकते में है। लॉस एंजिल्स पुलिस विभाग (एलएपीडी) ने कहा कि इस दोहरे हत्याकांड के आरोपित 22 वर्षीय रेमंड बूडेरियन को गिरफ्तार कर लिया गया है। फॉक्स न्यूज चैनल के अनुसार, एलएपीडी ने इस बारे में मंगलवार को विज्ञप्ति जारी की। पुलिस विभाग ने कहा कि सोमवार को रॉबिन केय और उनके पति डेलुका के गोलियों से छलनी शव किलेनुमा उनकी हवेली से मिले हैं। इस संबंध में इस दंपति की एक दोस्त ने पुलिस से अनहोनी की आशंका जताई थी। पुलिस का कहना है कि महिला का शव रसोईघर और उसके पति का शव बाथरूम से मिला। जांचकर्ता पुलिस अधिकारियों ने बताया कि संदिग्ध हत्यारे ने इस हवेली में घुसने के लिए पहले दीवार फांदी। घर का एक दरवाजा खुला होने से वह अंदर घुसकर छुप गया। दंपति के घर आने पर उन्हें गोलियों से भून दिया। पुलिस का कहना है कि संदिग्ध का मकसद साफ नहीं है। जासूस यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या बूडेरियन का काये और डेलुका से कोई संबंध था। अमेरिकन आइडल के प्रवक्ता ने रॉबिन और उनके पति टॉम को श्रद्धांजलि देते हुए कहा रॉबिन 2009 से आइडल परिवार की आधारशिला रही हैं। रॉबिन हमेशा उनके दिलों में रहेंगी। इस कठिन समय में हम उनके परिवार और दोस्तों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

## नेपाल का संविधान जारी होने के बाद विवाहित महिला को भी पैतृक संपत्ति में बराबर का अधिकार -सुप्रीम कोर्ट

**काठमांडू ,एजेंसी।** नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए विवाहित महिला को भी अपने पिता की संपत्ति में बराबर का अधिकार देने की बात कही है। हालांकि यह कानून नेपाल के नए संविधान के जारी होने के दिन से लागू करने का फैसला सुनाया गया है। पिता की संपत्ति पर अधिकार मांगने के मामले में सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नेपाल का संविधान जारी होने के दिन से ही वह कानून लागू किया जाए जिसमें पिता की संपत्ति पर विवाहित बेटियों को भी बराबर का अधिकार देने की बात उल्लेख है। इस समय नेपाल में बेटियों को अपने पिता की संपत्ति में बराबर का अधिकार देने का कानून है। सरकार ने इसमें संशोधन करते हुए सिर्फ अविवाहित बेटियों को ही नहीं बल्कि विवाहित बेटियों को भी संपत्ति में बराबर का अधिकार देने का प्रावधान रखा। सरकार द्वारा इस संशोधन को किए जाने के बाद अदालत में संपत्ति को लेकर लंबित तमाम मुद्दों में जिला अदालत और उच्च अदालत ने बेटियों को संपत्ति में अधिकार देने का फैसला भी सुनाया। लेकिन इस कानून को कब से लागू माना जाए इसको लेकर विवाद होने के बाद अदालत ने पांच जजों की बेंच गठित कर इस पर मंगलवार को अपना फैसला सुनाया है। पांच जजों में से तीन जजों ने बहुमत से यह फैसला सुनाया है कि सरकार का यह कानून संविधान जारी होने के दिन से लागू किया जाए। जबकि दो जजों का मत यह था कि पिता की संपत्ति पर सभी बेटियों का बराबर का अधिकार होना चाहिए इसमें संविधान में दिन तारीख या साल नहीं लिखा है तो इसमें विवाहित या अविवाहित नहीं देखना चाहिए।

ँसुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल, मनोज कुमार शर्मा, सारंगा सुवेदी, अब्दुल अजीज तथा महेश शर्मा पौडेल के फूल बेंच ने इस पर अपना फैसला सुनाते हुए बेटियों को पिता की संपत्ति में बराबर की हिस्सेदारी देने के संसद के कानून को सही बताया है। हालांकि इनमें से न्यायाधीश सपना प्रधान मल्ल तथा महेश शर्मा पौडेल ने इस फैसले में सभी विवाहित महिलाओं को भी यह अधिकार दिए जाने की बात कही है।

## ट्रंप का पूरा जोर टेक्सास पर, कांग्रेस में मजबूत स्थिति के लिए जीतना चाहते हैं पांच सीट

**वाशिंगटन, एजेंसी।** संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस समय सबसे बड़ी चिंता कांग्रेस में रिपब्लिकन की मजबूत स्थिति को बरकरार रखना है। उन्होंने पार्टी के सामने टेक्सास की पांच सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। ट्रंप ने कहा कि यह असंभव नहीं है। अगर मेहनत की जाए तो पार्टी पांच सीटें जीत सकती है। एनबीसी न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, इस समय रिपब्लिकन का टेक्सास के 38 कांग्रेसी जिलों में से 25 पर नियंत्रण रखते हैं। ट्रंप अगले सप्ताह के विशेष विधायी सत्र में पांच और सीटें बढ़ाने की दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। उनका फोकस दक्षिण टेक्सास के दो जिले हैं। यहां डेमोक्रेटिक प्रभावी हैं। पिछले साल ट्रंप ने प्रतिनिधि हेनरी क्यूएलर के जिले में 7 अंकों और प्रतिनिधि विसेंट गोंजालेज के जिले में 4 अंकों से बढ़त हासिल की थी। क्यूएलर ने अपनी सीट 6 अंकों से कम अंतर से जीती, जबकि गोंजालेज ने 3 अंकों से कम अंतर से। डेमोक्रेटिक जिलों में रिपब्लिकन मतदाताओं को लुभाने की कोशिश से रिपब्लिकन-नियंत्रित जिलों में प्रतिस्पर्धा बढ़ने की संभावना है। ट्रंप ने गवर्नर ग्रेग एबॉट पर इसके लिए दबाव बनाया है। स्टीव कोर्नैकी ने हाल ही में उल्लेख किया है राष्ट्रपति की पार्टी ने पिछले 15 मध्यावधि चुनाव में से 13 में हाउस सीटें गंवाई हैं। सेन जॉन कॉर्निन को राज्य के अटॉर्नी जनरल केन पैक्सटन से रिपब्लिकन प्राइमरी में चुनौती मिल रही है। एक्स पोस्ट में उन्होंने तर्क दिया, टेक्सास में हिस्पैनिक मतदाता तेजी से रिपब्लिकन के पक्ष में आ गए हैं। टेक्सास रिपब्लिकन को इसका बड़ा फायदा मिल सकता है। डेमोक्रेट और कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम 2028 के राष्ट्रपति पद के संभावित दावेदार हैं।

## पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकी हमला, दो पुलिसकर्मी मारे गए

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान जिले में आज हुए आतंकी हमले में दो पुलिसकर्मियों की जान चली गई। इस घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) के जवानों ने इलाके को घेरकर निर्जन स्थान पर छुपे एक आतंकी को मार गिराया। डॉन अखबार की खबर के अनुसार डेरा इस्माइल खान के पुलिस प्रवक्ता याकूब खान ने बताया कि हेड कांस्टेबल गुलाम मोहम्मद और कांस्टेबल शहजाद खाना लेने कुलाची इलाके की तरफ जा रहे थे। तभी आतंकवादियों ने दोनों को गोलियों से भून दिया। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस और सीटीडी के जवानों ने घटनास्थल से कुछ दूर एक आतंकवादी को मार गिराया। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, मुठभेड़ स्थल से हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। इस बीच संघीय गृहमंत्री मोहसिन नकवी ने आतंकी हमले की निंदा करते हुए दोनों पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि सरकार इस कठिन समय में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के नवंबर 2022 में सरकार के साथ संघर्ष विराम समाप्त करने के बाद खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि देखी गई है। पिछले कुछ महीनों में पेशावर, करक, बन्नू, लक्की मरवत और बाजौर में कई आतंकी हमले चुके हैं। वैश्विक आतंकवाद सूचकांक 2025 में पाकिस्तान दूसरे स्थान पर है। आतंकवादी हमलों में मरने वालों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 45 प्रतिशत बढ़ी है। इस साल अब तक 1,081 लोग आतंकी हमले में मारे गए हैं।

## अमेरिका में रह रहे लाखों अवैध प्रवासियों की मुसीबत बढ़ी, लिया जाएगा हिरासत में, जमानत पर सुनवाई भी नही होगी

**वाशिंगटन, एजेंसी।** ट्रंप प्रशासन ने संयुक्त राज्य अमेरिका में रह रहे लाखों अवैध प्रवासियों को निर्वासित करने का पक्का मन लिया है। आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने काफी कठोर नीति लागू की है। इस नीति के अनुसार, बिना दस्तावेज के रह रहे प्रवासियों को जमानत की सुनवाई के अयोग्य माना जाएगा। पूरे मामले की सुनवाई के दौरान उन्हें महीनों या सालों तक हिरासत में रखा जा सकता है। द वाशिंगटन पोस्ट की खबर के अनुसार, वकीलों का मानना है कि इस नीति का मकसद निर्वासन अभियान में तेजी लाना है। आईसीई को हिरासत में लिए गए प्रवासियों को सुविधाजनक तरीके से रखने के लिए अरबों डॉलर प्राप्त हुए हैं। वकीलों का कहना है कि इससे पहले ऐसे प्रवासियों को आम तौर पर आव्रजन न्यायाधीश के समक्ष जमानत की अर्जी देने का अधिकार था। इस नीति का खुलासा आईसीई के कार्यवाहक निदेशक टॉड एम. लियोन्स 08 जुलाई को कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि गृह सुरक्षा विभाग ने हिरासत और रिहाई के अधिकार पर कानूनी स्थिति पर पुनर्विचार किया है। तय किया गया है कि अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले प्रवासियों को उनके निष्कासन की कार्यवाही की अवधि तक हिरासत में रखा जाएगा। आव्रजन वकीलों का कहना है कि यह नीति उन लाखों लोगों पर भी लागू होगी जो दशकों से अमेरिका में रह रहे हैं और उनमें से कई के बच्चे अमेरिकी नागरिक हैं। आईसीई के कार्यवाहक निदेशक टॉड एम. लियोन्स का मानना है कि आईसीई को इस कदम के लिए कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। आईसीई के एक प्रवक्ता ने द इंडिपेंडेंट अखबार से कहा कि यह नीति कानून की गलत व्याख्या के आधार पर अमेरिका की सुरक्षा के लिए अहम खामी को दूर करती है। अगले चार वर्षों में प्रवासियों को हिरासत में रखने के लिए 45 अरब डॉलर मिलेंगे। संघीय अधिकारियों का मानना है कि इस रकम से आईसीई हिरासत केंद्रों में बिस्तरों की संख्या 80,000 से 100,000 तक बढ़ाएगी।

अधिवक्ताओं का कहना है कि प्रवासियों को जमानत की सुनवाई से वंचित करने से उनके लिए अपना मामला लड़ना और भी मुश्किल हो जाएगा।

डलास क्षेत्र के प्रमुख वकील पॉल हंकर ने कहा, मुझे लगता है कि इस नीति से अब प्रवासियों को निर्वासित होने तक अनिश्चितकाल तक हिरासत में रखा जा सकेगा। सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप और सचिव नोएम अब इस नियम को लागू कर रहे हैं। यह नीति वास्तव में अमेरिका को सुरक्षित रखने के लिए तैयार की गई है। अवैध प्रवासियों के हमदर्द चाहे जितना रोना रो सकते हैं। प्रशासन इन अपराधियों और कानून तोड़ने वालों को अमेरिकी सड़कों पर नहीं घूमने देगा।

## रवींद्र जडेजा हीरो या विलेन? ऑलराउंडर को लेकर कुंबले के इस बयान ने फैंस को चौंकाया, जानें क्या कहा

**लंदन ,एजेंसी।** भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को स्पिनर शोएब बशीर के खिलाफ मोहम्मद सिराज को स्ट्राइक देने की जगह खुद जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेलना चाहिए था। हालांकि, उन्होंने जडेजा की पारी को चमत्कारिक बताते हुए कहा कि जडेजा के साथ निचले क्रम के बल्लेबाजों के संघर्ष से भारत मैच में वापसी करने में काफी हद तक सफल रहा, लेकिन उसे 22 रन से शिकस्त का सामना करना पड़ा। टीम लक्ष्य से सिर्फ 22 रन दूर थी जडेजा एक छोर पर बस खड़े रहे। कुंबले ने कहा कि जडेजा भारत को जीत के इतने करीब लाने की योजना में सफल रहे, लेकिन इंग्लैंड ने कोई ढिलाई नहीं बरती। जडेजा ज्यादातर ओवर की चौथी या पांचवीं गेंद पर एक रन चुरा रहे थे, लेकिन कुंबले का मानना है कि उन्हें कम गति के गेंदबाजों के खिलाफ जोखिम उठाना चाहिए था।

**जडेजा को गेंदबाजों का चयन कर अटैक करना चाहिए था :** कुंबले ने कहा, जडेजा को उन गेंदबाजों का चयन करना चाहिए था जिनके खिलाफ वह आक्रामक रुख अपना सकते थे। क्रिस वोक्स , जो रूट और बशीर ऐसे गेंदबाज थे। बशीर और रूट भले ही ऑफ स्पिनर हैं, लेकिन उनकी गेंद बहुत ज्यादा टर्न नहीं ले रही थी। अगर किसी को जोखिम उठाना था तो वह जडेजा ही थे जिन्हें ऐसा करना चाहिए था। उन्होंने बुमराह और सिराज के साथ बल्लेबाजी के दौरान अपने पास ज्यादा स्ट्राइक रखकर अच्छा काम किया, लेकिन सिराज को बशीर का पूरा ओवर खेलने के लिए देना जोखिम भरा था। उन्हें इसकी जगह खुद ही आक्रामक रुख अपनाना चाहिए था।

## नीदरलैंड्स के खिलाफ शानदार गोल के लिए दुनियाभर के प्रशंसकों ने दी वोट

**नई दिल्ली,एजेंसी।** भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड दीपिका ने इतिहास रच दिया है। वह प्रतिष्ठित पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं। यह अवॉर्ड उन्हें नीदरलैंड्स के खिलाफ खेले गए 2024-25 एफआईएच हॉकी प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण में किए गए शानदार गोल के लिए मिला। इस अवॉर्ड के लिए दुनियाभर के प्रशंसकों ने वोटिंग की थी। 21 वर्षीय दीपिका ने भारत और वर्ल्ड नंबर-1 नीदरलैंड्स के बीच खेले गए मैच में 35वें मिनट में यह गोल किया था। उस समय भारत 0-2 से पीछे चल रहा था। दीपिका ने बाएं छोर से डच डिफेंस को चीरते हुए ड्रिब्लिंग की, बेसलाइन के साथ दौड़ लगाई, एक डिफेंडर की स्टिक के ऊपर से बॉल को चिप किया और शानदार अंदाज में गोलकीपर को छकाते हुए गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया। इस गोल ने भारत की वापसी की नींव रखी और मैच 2-2 से ड्रॉ होने के बाद भारत ने शूटआउट में जीत हासिल की। पोलिग्रास मैजिक स्किल अवॉर्ड एफआईएच हॉकी प्रो लीग में किए गए सबसे रचनात्मक और स्किलफुल पलों को सम्मानित करता है और इसका फैसला दुनियाभर के हॉकी प्रशंसकों की वोटिंग से होता है। दीपिका के अलावा स्पेन की पेट्रीसिया स्किल इस अवॉर्ड के लिए नामित की गई थी।

# वेस्टइंडीज की शर्मनाक हार के बाद सीडब्ल्यूआई ने बुलाई आपात बैठक, दिग्गजों को किया आमंत्रित

**किंग्स्टन (जमैका),एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली शर्मनाक हार, खासकर अंतिम टेस्ट में महज 27 रन पर ढेर होने के बाद क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कड़ा कदम उठाया है। बोर्ड ने अपनी क्रिकेट स्ट्रैटेजी कमेटी की एक आपात बैठक बुलाई है, जिसमें सर क्लाइव लॉयड, सर विवियन रिचर्ड्स और ब्रायन लारा को विशेष आमंत्रण भेजा गया है।

सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष डॉ. किशोर शालो ने एक बयान में कहा, तुरंत प्रभाव से, मैंने क्रिकेट रणनीति और ऑफिशिएटिंग कमेटी के अध्यक्ष को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल की टेस्ट सीरीज, विशेष रूप से अंतिम मैच की समीक्षा हेतु आपात बैठक बुलाने की सलाह दी है।

इस बैठक में पहले से ही शामिल पूर्व दिग्गज जैसे डॉ. शिवनारायण चंद्रपॉल, डॉ. डेसमंड हेन्स और इयान ब्रैडशॉ के साथ अब इन महान बल्लेबाजों की भी राय ली जाएगी।

पूर्व स्पिनर दिनानाथ रामनाराइन ने बोर्ड की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर एक तीखा लेख साझा किया है। उन्होंने लिखा, बोर्ड के सदस्य खुद को मनमाफिक वेतन देते हैं, खिलाड़ियों का चयन व्यक्तिगत निष्ठा के आधार पर होता है, और राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन को कोई महत्व नहीं दिया जाता।

उन्होंने आगे कहा, जहां प्रशंसक खामोशी के साथ इस खेल से दूर होते जा रहे हैं, वहीं अधिकारी कुर्सियों से चिपके हुए हैं। हार के बाद भी कोई आत्मचिंतन नहीं, कोई जवाबदेही नहीं।

रामनाराइन ने यह भी याद दिलाया कि यह वही प्रणाली है जिसकी वजह से वेस्टइंडीज को यूएसए जैसी टीम से 100 रन से हार का सामना करना पड़ा और अब 27 रन पर ऑल आउट होने जैसी शर्मिंदगी झेलनी पड़ी है। सीडब्ल्यूआई अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि यह बैठक केवल प्रतीकात्मक नहीं है, ये वही लोग हैं जिन्होंने हमारे क्रिकेट के स्वर्णिम युग को परिभाषित किया है। उनकी दृष्टि हमारे क्रिकेट के भविष्य को आकार देने में बेहद उपयोगी होगी। हमारा उद्देश्य इस बैठक से ठोस और क्रियान्वयन योग्य सुझाव प्राप्त करना है। हालांकि बैठक कब और कहां होगी, इस पर आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। मगर इतना तय है कि वेस्टइंडीज क्रिकेट में यह एक बड़े बदलाव की शुरुआत हो सकती है। मैदानी अंपायर पॉल रीफेल और शरफुद्दौला इब्ने शाहिद, तीसरे अंपायर अहसान रज़ा और चौथे अंपायर ग्राहम लॉयड ने आरोप लगाए थे ।इस मामले में आदमपुर थाने के स।ह हरदेव सिंह ने बताया है कि फौजा सिंह के बेटे ने पुलिस को जानकारी दी गई थी। इसके बाद जांच के लिए टीमें मौके पर पहुंच गई थीं। फिलहाल, उस कार का पता नहीं चल पाया है, जिसने फौजा सिंह को टक्कर मारी है। हम मामले की जांच कर रहे हैं।

## जापान ओपन 2025: सात्विक-चिराग और लक्ष्य सेन दूसरे दौर में, पीवी सिंधु बाहर

**टोक्यो,एजेंसी।** जापान ओपन 2025 में भारत के लिए मिश्रित नतीजे देखने को मिले। बुधवार को दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी.सिंधु एक बार फिर पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गईं, जबकि लक्ष्य सेन और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली।

30 वर्षीय सिंधु को कोरिया की सिम यू जिन से 15-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह साल 2025 में सिंधु की पांचवीं पहले दौर में हार है। सिंधु शुरुआत से ही लय में नजर नहीं आईं, गलतियों की वजह से अंक गंवाती रहीं और लम्बाई का सही आकलन करने में भी संघर्ष करती दिखीं। पहले गेम में उन्होंने कुछ संघर्ष जरूर किया, लेकिन सिम ने वापसी करते हुए गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में सिंधु 1-6 से पीछे हो गईं। उन्होंने स्कोर 11-11 तक जरूर बराबर किया, लेकिन इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने तेजी से अंक बटोरते हुए सीधे गेमों में मुकाबला जीत लिया।

पुरुष युगल में विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज सात्विक और चिराग की जोड़ी ने कोरिया के कांग मिन ह्युक और किम डोंग जू को 21-18, 21-10 से मात दी। मुकाबला सिर्फ 42 मिनट चला। पहले गेम की शुरुआत में मुकाबला बराबरी का रहा, लेकिन एक बार भारतीय जोड़ी ने लय पकड़ी तो उन्होंने दूसरा गेम पूरी तरह से अपने कब्जे में ले लिया। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन, जो इस सीजन में कई पहले दौर की हारों से जूझ चुके हैं, ने चीन के वांग झेंग शिंग को 21-11, 21-18 से हराकर जोरदार वापसी की। वर्ल्ड नंबर 18 लक्ष्य ने पहले गेम में 11-2 की बढ़त लेते हुए आसानी से जीत हासिल की। दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने थोड़ी टक्कर दी, लेकिन लक्ष्य की शुरुआती बढ़त निर्णायक साबित हुई। अब प्री-क्वार्टर फाइनल (राउंड ऑफ 16) में लक्ष्य सेन का मुकाबला सातवीं वरीयता प्राप्त और मेज़बान जापान के कोडाई नारोका से होगा।

## लॉर्ड्स टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण इंग्लैंड के अंक कटे, तालिका में तीसरे स्थान पर खिसका

**लंदन,एजेंसी।** इंग्लैंड की टीम बुधवार को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) तालिका में एक पायदान नीचे तीसरे स्थान पर खिसक गई। लॉर्ड्स में भारत के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में धीमी ओवर गति के कारण उसके दो अंक काट दिए गए। बेन स्टोक्स की अगुआई वाली टीम पर टेस्ट के बाद मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। इंग्लैंड ने यह मैच 22 रन से जीता था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने इंग्लैंड पर यह जुर्माना लगाया। इंग्लिश टीम ने निर्धारित समय में दो ओवर कम किए थे। भारत अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। आईसीसी ने अपने बयान में कहा, खिलाड़ियों और उनके सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की न्यूनतम ओवर गति से जुड़ी धारा 2.22 के अनुसार खिलाड़ियों पर उनके द्वारा निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम फेंकने पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

इसमें कहा गया है, इसके अलावा आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की खेल शर्तों के अनुच्छेद 16.11.2 के अनुसार निर्धारित समय में प्रत्येक ओवर कम होने पर टीम का प्रत्येक ओवर के लिए एक अंक काट दिया गया है। इस तरह से इंग्लैंड के विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के कुल अंकों में से दो अंक काट दिए गए हैं। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में इंग्लैंड के से 24 से घटकर 22 हो गए हैं। इस कारण उसका अंक प्रतिशत (पीसीटी) 66.67 प्रतिशत से घटकर 61.11 प्रतिशत हो गया। श्रीलंका को इसका फायदा मिला जिसका प्रतिशत 66.67 है और वह इंग्लैंड को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है।

ऑस्ट्रेलिया अब तक अपने तीनों मैच जीतकर 100 प्रतिशत अंकों के साथ डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष पर है, जबकि भारत का अंक प्रतिशत 33.33 है। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं पड़ी।

## विश्व कप से पहले इंग्लैंड-न्यूजीलैंड से अभ्यास मैच खेलेगा भारत, पाकिस्तान टीम नहीं करेगी यात्रा

**न इ दिल्ली,एजेंसी।** भारत इस साल सितंबर-अक्तूबर में अपनी और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले महिला वनडे विश्व कप से पहले बंगलूरू में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा। पाकिस्तान अपने अभ्यास मैच और विश्व कप मैच दोनों श्रीलंका में खेलेगा। यह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आपसी सहमति से तय किया है।

भारतीय टीम पहला अभ्यास मैच बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र के मैदान पर 25 सितंबर को इंग्लैंड के साथ खेलेगी। दूसरा अभ्यास मैच विश्वकप शुरू होने से तीन दिन पहले 27 सितंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ चिन्नास्वामी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के साथ खेलेगी। पाकिस्तान केअभ्यास मैच 25 और 28 सितंबर को कोलंबो में श्रीलंका और श्रीलंका की ए टीमों के साथ होंगे। पचास ओवरों का विश्वकप 12 साल बाद भारतीय उपमहाद्वीप में हो रहा है। यह 30 सितंबर से दो नवंबर तक पांच शहरों बंगलूरू, गुवाहाटी, इंदौर, विशाखापत्तनम और श्रीलंका के कोलंबो में खेला जाएगा।

### अभ्यास मैचों का कार्यक्रम

25 सितंबर : बंगलूरु - बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-1 मैदान पर भारत बनाम इंग्लैंड, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड। कोलंबो - कोलंबो क्रिकेट क्लब में श्रीलंका बनाम पाकिस्तान, आर प्रेमदासा स्टेडियम में बांग्लादेश बनाम श्रीलंका ए।

27 सितंबर: बंगलूरु - बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-1 मैदान पर ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में भारत बनाम न्यूजीलैंड। कोलंबो - कोलंबो क्रिकेट क्लब में श्रीलंका बनाम बांग्लादेश।

28 सितंबर: बंगलूरु - बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस-1 मैदान पर दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत ए। कोलंबो - कोलंबो क्रिकेट क्लब में पाकिस्तान बनाम श्रीलंका ए।

## आईएसएल स्थगित होने के बाद सुनील छेत्री ने भारतीय फुटबॉल की स्थिति को बताया बेहद चिंताजनक

**नई दिल्ली,एजेंसी।** चीन में 18 से 27 जुलाई तक होने वाली 11वीं एशियन वुमन यूथ हैंडबाल चैंपियनशिप में भारतीय युवा महिला टीम की कप्तानी का जिम्मा बिलासपुर की कनिष्का को पहली बार सौंपा गया है। कनिष्का के साथ हिमाचल की सात बेटियां टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय टीम 15 जुलाई को चीन के लिए रवाना होगी। कनिष्का के नेतृत्व में टीम इंडिया चीन के जिंगगांगशान शहर में होने वाली प्रतियोगिता में दम दिखाएंगी। टीम में हिमाचल की सात खिलाड़ी शामिल हैं। इन होनहार बेटियों ने गुजरात के गांधीनगर में आयोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में खुद को साबित किया। 70 संभावित खिलाड़ियों में से पहले 28 को शॉर्टलिस्ट किया गया और फिर उनमें से 18 का फाइनल चयन हुआ। हिमाचल की ये सात खिलाड़ी अंतिम टीम में जगह बनाने में सफल रहीं। भारतीय टीम की कप्तान और पिवोट कनिष्का, गोलकीपर नेहा चौहान, लेफ्ट बैक शिवानी देवी, लेफ्ट विंग रिद्धिमा, राइट बैक मुस्कान, सेंटर बैक गारिमा, राइट विंग शिक्षा शामिल हैं। सभी खिलाड़ी मोरसिंघी हैंडबाल नर्सरी की हैं। हैंडबाल कोच स्नेहलता ने बताया कि ये सभी खिलाड़ी मोरसिंघी हैंडबाल नर्सरी से प्रशिक्षित हैं। खिलाड़ियों ने हर तकनीकी और मानसिक तैयारी का शिविर में बखूबी प्रदर्शन किया। उन्हें उम्मीद है कि भारतीय टीम चैंपियन बनकर देश का परचम एशियन चैंपियनशिप में लहराएगी। टीम के साथ मुख्य कोच सचिन चौधरी, कोच मनीषा विनॉय, नवीन पुनिया और फिजियोथेरेपिस्ट मोनिका शर्मा भी रवाना होंगी।

**एशिया कोर्फबाल चैंपियनशिप में दिखेगा हिमाचल का जलबा :** चीन के लेशान में 15 से 20 जुलाई तक होने वाली एशिया कोर्फबाल चैंपियनशिप में प्रदेश के छह खिलाड़ियों को भारतीय टीम में जगह मिली है। यही नहीं, भारतीय टीम के कोच भी हिमाचल से ही हैं।भारतीय कोर्फबाल संघ की ओर से घोषित टीम में बिलासपुर के दधोल स्कूल से कनिष्का ठाकुर, हर्ष राणा, राधिमा जसवाल और साक्षी, शूलिनी विश्वविद्यालय सोलन से मिली और शिमला से नव्या को शामिल किया गया है। इन युवाओं का चयन भारतीय कोर्फबाल टीम के लिए एक बड़ा मुकाम है। भारतीय टीम को हिमाचल के विनोद ठाकुर प्रशिक्षण दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी फगवाड़ा में 6 से 12 जुलाई तक गहन प्रशिक्षण दिया गया। सभी खिलाड़ियों को कोर्फबाल के अंतरराष्ट्रीय नियमों और तकनीकों में दक्ष बनाया गया है। टीम को रविवार शाम अखिल भारतीय कोर्फबाल संघ के अध्यक्ष हिमांशु मिश्रा और पदाधिकारियों ने रवाना किया। प्रतियोगिता के बाद भारतीय टीम 21 जुलाई को स्वदेश लौटेगी। हिमाचल से इतनी बड़ी संख्या में खिलाड़ियों का चयन पहली बार हुआ है, जिससे प्रदेश के खेल जगत में खुशी की लहर है।

## राजनांदगांव जिला सर्वाधिक आयुष्मान कार्ड एवं आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनने पर राज्य में प्रथम स्थान पर

**राजनांदगांव(ब्यूरो)।** कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे के मार्गदर्शन में जिले में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत लक्ष्य के विरूद्ध 96.70 प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाया गया है। इसी तरह आयुष्मान वय वंदना कार्ड निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध 94.30 प्रतिशत बना कर लक्ष्य एवं उपलब्धि हासिल किया है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत आयुष्मान कार्ड एवं आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाने में राज्य में जिला राजनांदगांव प्रथम स्थान पर है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत जिले के कुल 9 लाख 52 हजार 546 पात्र राशन कार्डधारी हितग्राहियों में से 9 लाख 20 हजार 814 पात्र राशन कार्डधारी हितग्राहियों का आयुष्मान कार्ड हेतु पंजीयन किया गया है जो कि निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध 96.70 प्रतिशत है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत जिले के कुल 25 हजार 88 वरिष्ठ 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के पात्र राशन कार्डधारी हितग्राहियों में से 23 हजार 669 पात्र वरिष्ठ राशन कार्डधारी हितग्राहियों का आयुष्मान वय वंदना कार्ड हेतु पंजीयन किया गया है जो कि निर्धारित लक्ष्य के विरूद्ध 94.30 प्रतिशत उपलब्धि के साथ राज्य में जिला राजनांदगाव प्रथम स्थान पर है।

## आदिवासी विकास विभाग द्वारा नहीं क़ी गई वाटर जग क़ी खरीदी, सोशल मीडिया में प्रसारित सामग्री भ्रामक

**बलौदाबाजार(ब्यूरो)।** आदिवासी विकास विभाग बलौदाबाजार द्वारा छात्रावास के लिए वाटर जग क़ी खरीदी नहीं क़ी गई है। इस सम्बन्ध में विभाग के जिला अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार जले के छात्रावासो के लिए ऐसी कोई खरीदी नहीं हुई है। राशि अधिक होने के कारण ही खरीदी माह फ़रवरी 2025 में ही निरस्त क़ी गई थी।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सूरजदास मानिकपुरी ने बताया कि तत्कालीन सहायक आयुक्त संजय कुर्रे के द्वारा जिले के छात्रावासो के लिए जेम पोर्टल के माध्यम से 160 नग वाटर जग खरीदी हेतु प्रस्तावित किया गया था किन्तु दर अधिक होने के कारण विभाग द्वारा उक्त प्रस्ताव फ़रवरी 2025 में ही निरस्त कर दिया गया है । इससे स्पष्ट है कि आदिवासी विकास विकास विभाग बलौदाबाजार द्वारा उक्त वाटर जग क़ी खरीदी नहीं क़ी गई है। उन्होंने वाटर जग खरीदी सम्बंधित सोशल मीडिया में प्रसारित सामग्री क़ो भ्रामक बताते हुए असत्य बताया है।

## पीएम सूर्यघर योजना बनी आमजन के लिए वरदानः स्वाति यादव का बिजली बिल हुआ शून्य

**रायपुर(ब्यूरो)।** प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना आम नागरिकों के जीवन में बदलाव ला रही है। इसी योजना का लाभ उठाते हुए जिले के अंतर्गत आने वाले चौकी विकासखंड के ग्राम मेटेपार निवासी श्रीमती स्वाति यादव ने अपने घर की छत पर सोलन पैनल लगाकर अपने घर को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना लिया है। उन्होंने अपने मकान की छत पर 2 किलोवॉट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित करवाया है, जिससे अब उनका बिजली बिल शून्य हो गया है।

पूर्व में श्रीमती यादव ने बताया कि हर माह 3000 रूपए से 3200 रूपए तक बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था। लेकिन अब, इस योजना की बदौलत उन्हें पूरी राशि बचत के रूप में मिल रही है, जिससे उनके परिवार को आर्थिक रूप से बड़ी राहत मिली है। इस योजना के तहत उन्हें 78,000 रूपए की अनुदान राशि (सब्सिडी) शासन द्वारा प्रदान की गई, जिससे सोलर पैनल लगवाना उनके लिए आसान और किफायती हो गया। श्रीमती यादव ने बताया, यह योजना न केवल हमारे घर की ऊर्जा ज़रूरतों को पूरी कर रही है, बल्कि यह पर्यावरण के संरक्षण में भी मददगार साबित हो रही है। हमारे घर का बिजली बिल अब पूरी तरह शून्य है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए श्रीमती यादव ने कहा कि यह योजना जनसामान्य के लिए अत्यंत उपयोगी है और इसका लाभ हर परिवार को उठाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्तयोजना का उद्देश्य घर-घर सौर ऊर्जा को बढ़ावा देना है और प्रदूषण मुक्त रखना है। जिससे देशवासी बिजली संकट से राहत पाकर ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन सकें। जिले में इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है और इसके सकारात्मक परिणाम धरातल पर साफ़ देखे जा रहे हैं।

## प्रदेश में अब तक 378.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

**रायपुर(ब्यूरो)।** छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 378.2 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 598.8 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 189.2 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार सरगुजा में 292.0 मि.मी., सूरजपुर में 483.6 मि.मी., जशपुर में 507.2 मि.मी., कोरिया में 416.5 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 382.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर जिले में 362.1 मि.मी., बलौदाबाजार में 365.4 मि.मी., गरियाबंद में 323.1 मि.मी., महासमुंद में 346.3 मि.मी. और धमतरी में 323.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर में 398.7 मि.मी., मुंगेली में 266.1 मि.मी., रायगढ़ में 526.9 सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 387.6 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 510.6 मि.मी., सक्ती में 450.1 मि.मी., कोरबा में 471.9 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 394.2 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। दुर्ग जिले में 311.3 मि.मी., कबीरधाम में 274.2 मि.मी., राजनांदगांव में 303.0 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 488.1 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 251.5 मि.मी., बालोद में 381.4 मि.मी. और बस्तर जिले में 442.5 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड हुई है। कोंडागांव में 265.4 मि.मी., कांकेर में 367.0 मि.मी., नारायणपुर में 315.7 मि.मी., दंतेवाड़ा में 400.1 मि.मी., सुकमा में 233.7 मि.मी. और बीजापुर में 452.6 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

# राज्यपाल श्री डेका ने छत्तीसगढ़ के कोसा को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में की पहल

### बुनकरों को मिलेगा प्रशिक्षण, आधुनिक डिजाइन पर होगा जोर

**रायपुर(ब्यूरो)।** राज्यपाल श्री रमेन डेका ने छत्तीसगढ़ के परंपरागत कोसा वस्त्र उद्योग को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और राज्य के बुनकरों की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कोसा वस्त्र निर्माण की गुणवत्ता, डिजाइन, विपणन और प्रशिक्षण के क्षेत्र में ठोस पहल करने पर बल दिया।

राज्यपाल श्री डेका ने आज राजभवन में ग्रामोद्योग विभाग के सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर कहा कि छत्तीसगढ़ के कोसा वस्त्रों का समृद्ध इतिहास है जिसे वैश्विक मंच पर पहुचाने की आवश्यकता है। इसके लिए जरूरी है कि कोसा वस्त्रों के डिजाइनों को आधुनिक जरूरतों और अंतर्राष्ट्रीय बाजार के अनुरूप विकसित किया जाए। उन्होंने खादी एवं कोसा वस्त्र निर्माण के लिए बुनकरों को उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश भी दिए।

श्री डेका ने कहा कि छत्तीसगढ़ के बुनकरों को असम राज्य का भ्रमण कराए जहां वे मूगा, असम सिल्क निर्माण की प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अवलोकन करेंगे। इससे उन्हें नवाचार का अवसर मिलेगा।

राज्यपाल ने निर्देश दिया कि छत्तीसगढ़ के कोसा सिल्क पर आधारित डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाया जाए। यह डॉक्यूमेंट्री देश विदेश के विभिन्न मंचों पर दिखाई जाए ताकि छत्तीसगढ़ के बुनकारों की परंपरा और कला को वैश्विक पहचान मिल सके। उन्होने कहा कि कोसा और खादी वस्त्रों के निर्माण से जुड़े बुनकरों को सहकारी समितियों के माध्यम से सहयोग और प्रोत्साहन दिया जाए तथा राज्य एवं केंद्र के योजनाओं से अधिकाधिक लाभ दिलाने का प्रयास किया जाए।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि कोसा वस्त्र न केवल छत्तीसगढ़ की संस्कृति का प्रतीक है बल्कि इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। बुनकरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाकर छत्तीसगढ़ को देश दुनिया में कोसा के प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित कर सकते है। बैठक में ग्रामोद्योग विभाग के सचिव श्री श्याम धावड़े सहित वरिष्ठ

## महतारी वंदन योजना से लक्ष्मी को मिली आर्थिक संबलता

### विष्णु के सुशासन में महिलाएं आर्थिक सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर

**रायपुर(ब्यूरो)।** राज्य में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन और उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार के लिए और महिलाओं के और सशक्त बनाने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने महतारी वंदन योजना लागू की है। इस योजना का उद्देश्य ओमहिलाओं के प्रति समाज में व्याप्त भेदभाव और असमानता को दूर करते हुए, उनके स्वास्थ्य में सुधार और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। इसके अंतर्गत, पात्र विवाहित, विधवा और परित्यक्ता महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

इस कड़ी में नारायणपुर जिले के ग्राम मरकाबेड़ा, जिला नारायणपुर की रहने वाली श्रीमती लक्ष्मी कोर्राम, एक सामान्य किसान एवं मजदूरी करने वाली महिला हैं। सीमित संसाधनों और कठिनाइयों के बीच जीवन यापन करने वाली लक्ष्मी जी के जीवन में एक बड़ा बदलाव तब आया, जब उन्हें महतारी वंदन योजना की जानकारी मिली। लक्ष्मी बताती हैं कि योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने इसके लिए आवेदन किया। स्वीकृति के पश्चात उनके बैंक खाते में हर महीने 1000 रुपये की राशि मिलने लगी। इस आर्थिक सहयोग ने उनके जीवन को नई दिशा दी। इस राशि से उन्होंने ग्राम ओरछा के हाट बाजार में एक छोटा होटल शुरू किया, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ। अब उनका परिवार बेहतर जीवन यापन कर पा रहा है और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। लक्ष्मी कहती हैं अब तक मुझे योजना के तहत 17 हजार रुपये की राशि प्राप्त हो चुकी है। इस योजना ने न केवल आर्थिक रूप से मदद की, बल्कि मेरे स्वास्थ्य, सोच और जीवन शैली में भी सकारात्मक बदलाव लाया है। वह यह भी कहती हैं कि गांव की एक महिला होते हुए भी अब मैं आत्मनिर्भर हूँ। यह योजना मेरे और मेरे परिवार के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। लक्ष्मी मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति धन्यवाद व्यक्त करती हैं और कहती हैं कि इस योजना ने उन्हें अपने छोटे व्यापार का सपना पूरा करने में मदद की, जैसे उनके जैसे कई अन्य महिलाओं को भी इसका लाभ मिला है।

# स्कूटी दीदी बनीं आत्मनिर्भर भारत की प्रतीक - मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सराहा एनु का जज़्बा

### छत्तीसगढ़ की बेटियाँ अब केवल लाभार्थी नहीं, बन रहीं सामाजिक परिवर्तन की भी वाहक- मुख्यमंत्री

### भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय ने की सराहना

**रायपुर(ब्यूरो)।** छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के एक छोटे से गांव उमरदा की निवासी एनु आज पूरे देश में ÷स्कूटी दीदी÷ के नाम से जानी जाती हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने एनु की जीवटता, आत्मनिर्भरता और ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में उनके योगदान की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि एनु जैसी बेटियाँ ही आत्मनिर्भर भारत की असली पहचान हैं। उनके साहस, समर्पण और संकल्प से छत्तीसगढ़ के गांवों की तस्वीर बदल रही है।

एनु की प्रेरक यात्रा इस बात का प्रमाण है कि यदि मन में कुछ कर गुजरने का जज़्बा हो, तो संसाधनों की कमी, सामाजिक दबाव और परंपरागत सोच भी राह नहीं रोक सकती। एक साधारण ग्रामीण परिवार में जन्मीं एनु ने कठिन परिस्थितियों में भी अपनी पढ़ाई जारी रखी और अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन %बिहान% से जुड़कर सिलाई-कढ़ाई का प्रशिक्षण लिया, एक लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया, और समय पर ऋण को चुका कर आर्थिक अनुशासन की मिसाल पेश की। एनु को समझ थी कि ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए गतिशीलता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने %प्रथम संस्था% से स्कूटी चलाना सीखा और शुरुआत में समाज के तानों और व्यंग्य के बावजूद अपना आत्मविश्वास बनाए रखा और हार नहीं मानी। जब वे गांव-गांव स्कूटी से महिलाओं से जुड़ने लगीं, तभी उन्हें ÷स्कूटी दीदी÷ के नाम से पहचाना जाने लगा।

वर्ष 2023 में एनु ने ÷महिला दोपहिया प्रशिक्षण केंद्र÷ की स्थापना की। शुरुआत में केवल 2-3 महिलाओं ने प्रशिक्षण लिया, लेकिन धीरे-धीरे यह पहल ग्रामीण समाज में एक क्रांति बन गई। अब तक वे 30 से अधिक महिलाओं को स्कूटी चलाना सिखा चुकी हैं, जो अब स्वयं आंगनबाड़ी, स्कूल, बैंक और स्वास्थ्य केंद्र जैसे स्थानों तक स्वतंत्र रूप से पहुँचना शुरू कर चुकी हैं।

एनु की इस पहल से न केवल महिलाओं की दैनिक गतिशीलता आसान हुई है, बल्कि पूरे सामाजिक दृष्टिकोण में भी परिवर्तन आया है। अब गांवों में माता-पिता स्वयं अपनी बेटियों और बहुओं को एनु के पास प्रशिक्षण हेतु भेज रहे हैं। उनका सपना है कि वे 1000 महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएं और शीघ्र ही चारपहिया वाहन प्रशिक्षण केंद्र शुरू करें। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि एनु जैसे लोग छत्तीसगढ़ की नई पहचान हैं। राज्य सरकार 'बिहान' जैसी योजनाओं के माध्यम से ऐसे नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, जो जमीनी स्तर पर परिवर्तन ला रहे हैं।

## उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन का 17 जुलाई को नई दिल्ली दौरा

### 17 जुलाई को नई दिल्ली में सुरक्षित ऊर्जा भविष्य के संबंध में आयोजित राज्यों के मंत्रियों की बैठक में होंगे शामिल

**रायपुर(ब्यूरो)।** छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन आगामी 16 एवं 17 जुलाई 2025 को दो दिवसीय दौरे पर नई दिल्ली जाएंगे। इस दौरान वे भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा आयोजित सुरक्षित ऊर्जा भविष्य हेतु राज्य नेतृत्व पर मंत्री स्तरीय सम्मेलन में शामिल होकर छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। मंत्री श्री देवांगन का यह दौरा राज्यों के बीच ऊर्जा नीति, निवेश अवसर और सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

जारी कार्यक्रम के अनुसार मंत्री श्री देवांगन 16 जुलाई, बुधवार को दोपहर 2.55 बजे स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट रायपुर से दिल्ली के लिए नई दिल्ली जाएंगे। मंत्री श्री देवांगन 17 जुलाई को भारत मण्डपम ऑडिटोरियम नई दिल्ली में भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा आयोजित सुरक्षित ऊर्जा भविष्य हेतु राज्य नेतृत्व पर मंत्री स्तरीय सम्मेलन में शामिल होंगे। कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन नई दिल्ली से संध्या 7.20 बजे नियमित विमान से प्रस्थान कर रात्रि 8.55 बजे रायपुर लौट आएंगे।

## रेत खनन में पारदर्शिता, पर्यावरण संरक्षण और अवैध उत्खनन पर सख्ती शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता

**रायपुर(ब्यूरो)।** राज्य में रेत खनन नीति को अधिक पारदर्शी, संगठित, पर्यावरण-संवेदनशील और जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से व्यापक कदम उठाए गए हैं। पूर्ववर्ती सरकार के शासन काल के दौरान राज्य में संचालित रेत खदानों की संख्या 300 से घटकर लगभग 100-150 रह गई थी, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित हुए और अवैध खनन को बढ़ावा मिला। वर्तमान सरकार द्वारा खनिज नीति में सुधार कर रेत खनन की व्यवस्था को संगठित, नियंत्रित और जनहितकारी बनाया गया है।

**पर्यावरणीय मंजूरी प्रक्रिया में तीव्रता:** राज्य में पर्यावरणीय स्वीकृति प्रक्रिया को गति देने के लिए भारत सरकार से अनुमोदन प्राप्त कर तीन राज्य स्तरीय पर्यावरण समाघात निर्धारण समितियों का गठन किया गया है। पूर्व में केवल एक समिति कार्यरत थी। इस निर्णय से लंबित प्रकरणों के शीघ्र निपटारे की प्रक्रिया सुगम हुई है।

**वैध खदानों की संख्या में वृद्धि:** वर्तमान में 119 रेत खदानें पर्यावरणीय स्वीकृति के साथ विधिवत संचालित हैं, जबकि 94 अन्य खदानों की मंजूरी प्रक्रिया अंतिम चरण में है। साथ ही, आगामी 1 से 1.5 वर्षों में 300 से अधिक नई खदानों को स्वीकृति दिए जाने की योजना है, जिससे रेत की आपूर्ति सुलभ बनी रहेगी और निर्माण कार्यों को गति मिलेगी।

प्रमुख नदियों पर खनन के पर्यावरणीय प्रभावों को लेकर IIT रुड़की से कराए गए अध्ययन में यह निष्कर्ष सामने आया है कि विधिवत और नियंत्रित रेत खनन से नदियों पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता। यह रिपोर्ट राज्य की वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर आधारित खनिज नीति को समर्थन प्रदान करती है। वर्ष 2024-25 से जून 2025 तक 6,331 अवैध खनन प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें से ?18.02 करोड़ की वसूली, 184 मशीनों की जब्ती, 56 एफआईआर तथा 57 न्यायालयीन परिवाद दायर किए गए। जिला एवं राज्य स्तरीय टास्क फोर्सों द्वारा लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है।

## सहभागिता और संवेदनशीलता के साथ विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास के लिए करें कार्यः मंत्री श्री रामविचार नेताम

### *जनजातियों के संस्कृति, परंपरा और परिवेश के अनुरूप ग्रामीण शैली में हो पीएम आवास का निर्माण*

### *लक्ष्यों को पूर्ण करने प्राथमिकता के साथ योजना के क्रियान्वयन करने के दिए निर्देश*

### *पीएम जनमन योजना के प्रभावी क्रियान्वयन, ज़मीनी चुनौतियों और आगामी रणनीति पर हुई विस्तारपूर्वक चर्चा*

**रायपुर(ब्यूरो)।** आदिम जाति और अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम की अध्यक्षता में आज छत्तीसगढ़ विधानसभा स्थित मुख्य समिति कक्ष में प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान (पीएम जनमन) योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनजातीय समुदायों तक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, ज़मीनी चुनौतियों और आगामी रणनीति पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई।

आदिम जाति मंत्री श्री नेताम ने बैठक में कहा कि सबकी सहभागिता और संवेदनशीलता के साथ विशेष पिछड़ी जनजातियों के विकास के लिए कार्य किया जाना सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जनजातियों के हित में अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। यह केन्द्र और राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में से एक है। हमें पीएम जनमन योजना के लक्ष्यों को पूर्ण करने के लिए प्राथमिकता के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जनजातीय उस घर में रचता-बसता है, इसलिए इस योजना के तहत विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए बनने वाले पीएम आवास को उनकी संस्कृति, परंपरा और परिवेश के अनुरूप तैयार किया जाए।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि हमारी सरकार सभी वर्गों के हित में संवर्धन के लिए सुशासन की दिशा में कार्य कर रही है। सुशासन का उद्देश्य है कि शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और बुनियादी सुविधाओं जैसी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। पीएम जनमन अभियान के माध्यम से दूरस्थ और वंचित क्षेत्रों में परिवर्तन की नई लहर लाई जा रही है। 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' और सबका प्रयास की भावना के साथ हम जनजातीय अंचल को न्याय और विकास से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मंत्री श्री नेताम ने कहा कि पीएम जनमन योजना के केवल सड़क, पुल, पुलिया मात्र बनाने का नहीं बल्कि यह एक मिशन है। उन वर्गों के साथ समन्वय और समर्पित होकर कार्य करने से ही शत प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त कर सकते है।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में अबुझमाड़िया, बैगा, बिरहोर, कमार और पहाड़ी कोरवा इन पांच जनजाति समूहों को विशेष पिछड़ी जनजाति की श्रेणी के अंतर्गत रखा गया है। पीएम जनमन योजना के तहत इन विशेष पिछड़ी जनजातियों के प्रत्येक व्यक्ति और गांवों को सम्पूर्ण रूप से संतृप्त करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इस योजना के लिए प्रदेश के 18 जिलों के 53 विकासखंड के 1541 ग्राम पंचायत चिन्हाकिंत है। इनमें विशेष पिछड़ी जनजातियों के 56 हजार 569 परिवारों में 2 लाख 12 हजार 688 की संख्या शामिल हैं। इनकी कुल बसाहटें 2 हजार 365 हैं।

अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत पिछड़ी जनजातियों के परिवारों के लिए 33 हजार 132 आवासों की स्वीकृति दी गई है। इनमें से 9 हजार 901 आवास पूर्ण कर लिए गए हैं। वहीं 14 हजार से अधिक आवास निर्माण के लिए तीसरी किस्त भी जारी की जा चुकी है, जल्द ही इन आवासों का निर्माण भी पूर्ण कर लिया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2023-24 में इन वर्गों के बसाहटों में पक्की एवं संपर्क सड़कें निर्माण के लिए 333 कार्य की स्वीकृति प्रदान की गई है। इनकी कुल लंबाई 1170 किलोमीटर है। इनमें 475 किलोमीटर लंबाई की सड़कें पूर्ण करा ली गई है। वही फेस-टू अंतर्गत 299 कार्य की स्वीकृति की दी गई है। इनकी लंबाई 856 किलोमीटर है। बैठक में बताया गया कि योजना के तहत 191 आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्वीकृति प्रदान कर संचालित की जा रही है। इसी प्रकार इन वर्गों की स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रयास किया जा रहा हैं। योजना के तहत 1442 बसाहटों में से 989 ग्राम स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा संतृप्त है। वहीं 317 ग्राम मोबाईल मेडिकल यूनिट संतृप्त है तथा 57 और मोबाईल मेडिकल यूनिट की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस प्रकार 1416 ग्राम भौतिक रूप संतृप्त है। शेष 26 पहुंच विहीन ग्रामों में बाइक मेडिकल यूनिट के लिए तैयारी की जा रही है।

बैठक में मंत्री श्री नेताम ने पिछड़ी जनजातियुक्त बसाहटों में विद्युत व्यवस्था, आश्रम-छात्रावासों के निर्माण, मोबाईल टॉवर की स्थापना, बहुउद्देशीय केन्द्रों का निर्माण, वन धन विकास केन्द्रों की स्थापना तथा व्यावसायिक एवं कौशल शिक्षा की प्रगति की भी समीक्षा की।

बैठक में आदिम जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग विकास विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक, महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, आदिम जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग विकास विभाग के आयुक्त डॉ सारांश मित्तर, आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के संचालक श्री जगदीश सोनकर, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के संचालक श्री तारन प्रकाश सिन्हा सहित सभी संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी,प्रकाशक,संपादक रामविलास शर्मा, मुद्रक द्वारा आशमा पब्लिसर्स इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, जय स्तंभ चौक रायपुर (छत्तीसगढ) से मुद्रित व एमआईजी 101 ब्लॉक-3 चिल्पी हाइट्स भावना नगर रायपुर छत्तीसगढ़ से प्रकाशित।
प्रधान संपादक रामविलास शर्मा मो. 8109772535 email-sandhyapahal@yahoo.com आर.एन.आई.पंजीयन क्रमांक CHHHIN/2007/22449 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र मुरैना ही रहेगा।)